Mkd i thdj.k l[;kj/RNP/01/2023-25

RNI NO. UPHIN/2009/27689

राष्ट्रीय निष्पक्ष, निर्भीक हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

वर्ष : 18 अंक :244 (हिन्दी दैनिक) जौनपुर मंगलवार 22 सितम्बर, 2026 पृष्ठ- 08 मूल्य- 2.00 रुपया

बालोतरा म्युनिसिपल बोर्ड में बीजेपी के योगेश गहलोत जीते, कांग्रेस उम्मीदवार को हराया

राजस्थान के बालोतरा जिले में भारतीय जनता पार्टी ने नगर परिषद और छह नगर पालिकाओं सहित सभी सात चेयरपर्सन पदों पर जीत हासिल की है। इसके अलावा, बीजेपी ने जयपुर नगर निगम के 146 वार्डों में से 78 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। जयपुर में मेयर पद का चुनाव 25 सितंबर को होगा।

नई दिल्ली 21 सितम्बर (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) ने सोमवार को राजस्थान के बालोतरा जिले में सभी सात चेयरपर्सन पद जीत लिए। पार्टी ने बालोतरा म्युनिसिपल काउंसिल और छह म्युनिसिपल बोर्ड – जसोल, सिवाना, समदड़ी, सिंदहारी, गुडामालानी और धोरीमन्ना – के चुनाव जीते। बालोतरा म्युनिसिपल काउंसिल में, ठश्रच के योगेश गहलोत ने 30 वोट हासिल करके जीत दर्ज की और कांग्रेस उम्मीदवार अंकिता को हराया, जिन्हें 25 वोट मिले थे। जसोल म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच की निर्मला प्रजापत 13 वोटों से जीतीं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार ममता को सात वोट मिले। सिवाना म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच के भगवत सिंह ने 15 वोट पाकर कांग्रेस उम्मीदवार को हराया, जिन्हें 10 वोट मिले थे। समदड़ी म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच के सुरेश कुमार 17 वोटों से जीते, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विक्रम बुनकर को आठ वोट मिले। सिंधारी म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच की चंपा देवी को 14 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार भंवराराम को छह वोट मिले। गुडामालानी म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच की शीतल भरत जैन 13 वोटों से जीतीं, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार कल्पना शेखावत को सात वोट मिले। धोरीमन्ना म्युनिसिपल बोर्ड में, ठश्रच की कीर्ति गोसाईंवाल निर्विरोध । चेयरपर्सन चुनी गईं। जयपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर का चुनाव 25 सितंबर को होना है। यह चुनाव म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुने हुए सदस्यों की वोटिंग से होगा। राजस्थान चुनाव आयोग ने मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया है। उम्मीदवारों ने 18 और 19 सितंबर को अपने नॉमिनेशन पेपर दाखिल किए, जबकि नॉमिनेशन की जांच 21 सितंबर को होगी। नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख 22 सितंबर है। इस बीच, राजस्थान के शहरी निकाय चुनावों में, ठश्रच ने जयपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन बोर्ड में बहुमत हासिल किया। जिन 146 वार्डों के नतीजे घोषित हुए, उनमें से ठश्रच ने 78 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 53 सीटें मिलीं और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 15 वार्ड जीते। ठश्रच अब मेयर चुनाव की तैयारी कर रही है और पार्टी नेताओं ने सुनील कोठारी की उम्मीदवारी पर भरोसा जताया है। राजनीतिराज्य चुनाव आयोग ने 15 सितंबर को सुबह 7रू00 बजे सभी 305 शहरी स्थानीय निकायों में चेयरपर्सन के चुनाव के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की। इसमें जयपुर, जोधपुर और कोटा के नगर निगमों के साथ–साथ सुकेत नगरपा

जनता दर्शनः छोटी घटनाएं बड़ी न बनें

लोगों की समस्याएं सुन सीएम योगी बोले- डीएम-एसपी रखें नजर

जनता दर्शन में सीएम योगी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि छोटी घटनाएं बड़ी न बनें। डीएम–एसपी इस पर नजर रखें।

लखनऊ21 सितम्बर (एजेंसी) राजधानी लखनऊ में सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान विभिन्न जिलों से लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। प्रार्थना पत्रों का अवलोकन करके सीएम ने कहा कि समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले लोग मामूली घटनाओं को बड़ा बनाना चाहते हैं। ऐसे में जिलों में हर छोटी से छोटी घटना पर डीएम–एसपी नजर रखें। घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ितों की सुनवाई करें। दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई करें। चेतावनी दी कि छोटी–छोटी घटनाओं में भी उदासीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

'जनता दर्शन' में सीएम योगी हर पीड़ित से मिले। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना। प्रशासन, पुलिस, राजस्व, विद्युत आदि से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने कहा कि अधिकारी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाएं। मरीजों के इलाज की व्यवस्था कराएं। सीएम के समक्ष पुलिस व राजस्व से जुड़ीं शिकायतें अधिक रहीं। इस पर उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पुलिस कमिश्नर, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से जनसमस्याओं का निराकरण कराएं। यदि किसी मातहत द्वारा लापरवाही की शिकायत मिले तो उस पर भी कार्रवाई करें। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

बच्चे से पूछा– कैसे हो, कहां पढ़ते हो

इस दौरान मां के साथ आए नन्हें बच्चे से सीएम ने हालचाल पूछा। फिर पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। उसकी तरफ चॉकलेट बढ़ाई तो उसने झट से ले ली। चॉकलेट वापस मांगी तो बच्चे ने मना कर दिया। इस पर पूरा हॉल खिलखिला उठा। सीएम ने सुखद भविष्य का आशीर्वाद देते हुए बच्चे से मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

संतकबीर नगर में सपा सांसद के खिलाफ केस करने वाले का अपहरण, 4 गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर में सपा सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद के खिलाफ केस दर्ज कराने वाले विशाल कुमार को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुरक्षित छुड़ा लिया है। खलीलाबाद में एक कार से पीड़ित को बरामद करते हुए पुलिस ने सांसद के निजी सहायक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी विशाल की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की योजना बना रहे थे।

नई दिल्ली 21 सितम्बर (एजेंसी)उत्तर प्रदेश के संत कबीरनगर जिले में समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद के खिलाफ अनुसूचित जातिध् अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराने वाले व्यक्ति को उसके कथित अपहरण के 24 घंटे के भीतर छुड़ा लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस अध ीक्षक (एसपी) संदीप कुमार मीणा ने बताया कि पीड़ित विशाल कुमार को आरोपी अशोक यादव ने निषाद के आवास पर यह कहकर बुलाया था कि सपा सांसद के निजी सहायक ध र्मेंद्र यादव उससे किसी मुद्दे पर बात करना चाहते हैं। मीणा के मुताबिक, विशाल के निषाद के आवास पर पहुंचने के बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया, जिसके मद्देनजर उसके भाई ओम प्रकाश ने रविवार को बखिरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। मीणा ने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अनुसूचित जातिध् अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विशाल की तलाश शुरू की।उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए 20–21 सितंबर की दरमियानी रात करीब ढाई बजे खलीलाबाद में एक कार को रोका और विशाल को छुड़ाकर वाहन में सवार चार अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मीणा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विश्वकेतु यादव, अशोक यादव, निषाद के निजी सहायक धर्मेंद्र यादव और बस्ती जिले के निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान विश्वकेतु ने पुलिस को बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए विवाद से जुड़े मामले में विशाल ने उसका और निषाद का नाम लिया था।मीणा ने बताया कि आरोपी विशाल को सांसद के आवास पर ले गए और उससे नोटरी के सामने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए। उन्होंने बताया कि आरोपियों की योजना विशाल को अयोध्या ले जाकर उसकी हत्या करने और शव को ठिकाने लगाने की थी, लेकिन इससे पहले कि वे अपनी योजना को अंजाम दे पाते, पुलिस ने उनकी गाड़ी को रोक लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

सीजीपीएससी भर्ती मामले में पूर्व सचिव की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के पूर्व सचिव जीवन किशोर ध्रुव की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को नोटिस जारी किया है। पीठ ने जांच एजेंसी को तीन सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने राज्य उच्च न्यायालय द्वारा जमानत खारिज किए जाने के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है।

नई दिल्ली 21 सितम्बर (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने 2020 से 2022 के दौरान भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) के पूर्व सचिव की ओर से दायर जमानत याचिका पर सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ जीवन किशोर ध्रुव की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। ध्रुव ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पांच अगस्त के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें इस मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।सीबीआई ने ध्रुव को पिछले साल सितंबर में गिरफ्तार किया था। कथित अनियमितताओं के समय वह सीजीपीएससी के सचिव पद पर कार्यरत थे। उच्च न्यायालय ने जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक कराने में मदद करने वाले लोग लाखों युवा अभ्यर्थियों के करियर और भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं तथा ऐसा कृत्य हत्या से भी "अधिक जघन्य" है।सोमवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और सीबीआई को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इसके एक सप्ताह बाद जवाबी हलफनामा दाखिल कर सकता है। मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।अभियोजन पक्ष के अनुसार सीजीपीएससी ने 2020 से 2022 के दौरान राज्य सेवा परीक्षा आयोजित की थी। आरोप है कि उस अवधि में याचिकाकर्ता आयोग के सचिव पद पर तैनात थे और आयोग की ओर से आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता बनाए रखना उनकी आधिकारिक जिम्मेदारी थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि याचिकाकर्ता ने अन्य सह–आरोपियों के साथ मिलकर गोपनीयता का उल्लंघन किया और अपने बेटों को प्रश्न–पत्र उपलब्ध कराए।यह भी आरोप है कि इसी आधार पर उनके एक बेटे का चयन उप जिलाधिकारी के पद पर हुआ। उनका बेटा भी इस मामले में आरोपी है। ध्रुव ने इस मामले में जमानत के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था।उनके वकील ने उच्च न्यायालय में दलील दी थी कि केवल आयोग के सचिव पद पर होने के कारण उन्हें गलत तरीके से मामले में फंसाया गया है। उनके वकील ने यह भी दलील दी थी कि वह कथित प्रश्नपत्र लीक में न तो शामिल थे और न ही ऐसा कोई सबूत है जो कथित अपराधों में उनकी भागीदारी को साबित करे। ध्रुव के अलावा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष तमन सिंह सोनवानी समेत कई अन्य लोग भी इस मामले में आरोपी हैं।

बिहार भवन उप-नियम 2026 के प्रारूप पर GoM बैठक में नियमों को सरल बनाने पर हुई चर्चा

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में बिहार भवन उपविधि–2026 के प्रारूप पर गठित मंत्रियों के समूह की बैठक हुई। इसमें भवन निर्माण नियमों और नक्शे की वैधता से जुड़े प्रावधानों को सरल और पारदर्शी बनाने पर चर्चा की गई। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य जीवन और व्यवसाय को सुगम बनाना है।

माननीय उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आज सिंचाई भवन स्थित कार्यालय में नगर विकास एवं आवास विभाग से संबंधित बिहार भवन उपविधि–2026 के प्रारूप पर गठित उच्चस्तरीय मंत्रियों के समूह (ळवड) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित भवन उपविधि के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। साथ ही, भवन निर्माण से संबंधित नियामक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, सुगम एवं जनोपयोगी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों और अनुशंसाओं पर चर्चा की गई।बैठक में माननीय मंत्री, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सह ग्रामीण विकास विभाग, श्री श्रवण कुमार, माननीय मंत्री, सहकारिता विभाग, श्री राम कृपाल यादव, माननीय मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, श्री नीतीश मिश्रा तथा माननीय मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, श्री संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार ने पी.पी.टी के माध्यम से बिहार भवन उपविधि–2026 के प्रारूप एवं प्रस्तावित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।माननीय उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौध ारी ने कहा कि नक्शे की वैधता से संबंधित प्रावधानों में प्रस्तावित संशोधन से आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों द्वारा दिए गए सकारात्मक एवं व्यावहारिक सुझाव बिहार भवन उपविधि–2026 को और अधिक प्रभावी, सरल एवं जनोपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि "बिहार भवन उपविधि–2026 का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय में सुगमता (म्म व क्विपदह ठनेपदमे) एवं जीवन जीनें में सुगमता (म्म व स्पिअपदह) को बेहतर बनाना है। इसके साथ ही भवन निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाना और लोगों को बेहतर सुविधा देना है। इसके तहत अनावश्यक नियमों और प्रक्रियाओं को कम किया जाएगा तथा भवन निर्माण की अनुमति से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा।"श्री मिश्रा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी के सुनियोजित, पारदर्शी एवं नागरिक–केंद्रित विकास के विजन के अनुरूप बिहार भवन उपविधि–2026 के माध्यम से भवन निर्माण की प्रक्रियाओं को सरल, सुगम और पारदर्शी बनाया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मंत्री ने बताया कि बैठक में बिहार भवन उपविध ि–2026 को समयानुकूल, पारदर्शी एवं नागरिक–केंद्रित बनाने तथा भवन निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी विचार–विमर्श किया गया।

ओडिसा में पाठ्यपुस्तकों में गलतियों का विरोध, कॉजपा ने मांगा मंती नित्यानंद गोंड का इस्तीफा

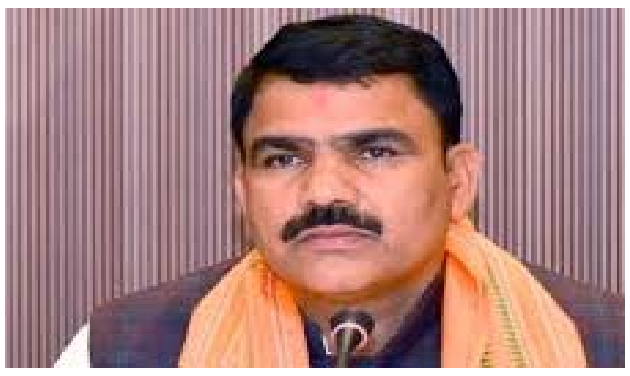

नई दिल्ली 21 सितम्बर (एजेंसी)कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में कथित गलतियों के लिए ओडिशा के स्कूल और जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी नवनिर्माण युवा छात्र संगठन (एनवाईसीएस) के सत्याग्रह को सोमवार को अपना समर्थन दिया। कॉजपा के सह–संयोजक सौरव दास ने कहा कि पार्टी स्कूली शिक्षा में सुधारों और पाठ्यपुस्तकों में गलतियों के लिए जवाबदेही तय करने की कार्यकर्ताओं की मांग का समर्थन करती है। दास पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत शहर में थे।उन्होंने कहा, "कॉजपा, एनवाईसीएस के कार्यकर्ताओं का समर्थन करती है जो स्कूली शिक्षा में सुधार और पाठ्यपुस्तकों में गलतियों को लेकर गोंड के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।" उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तकों की छपाई के लिए 380 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, लेकिन उनमें कई गलतियां सामने आई हैं। हमें लगता है कि पाठ्यपुस्तकों में भारी गलतियों के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।" दास ने कहा कि वह नवनिर्माण कृषक संगठन (एनकेएस) के संयोजक अक्षय कुमार और एनवाईसीएस नेता मनवर अली के निमंत्रण पर राज्य में आए थे, जो पाठ्यपुस्तक मुद्दे पर दो सप्ताह से अधिक समय से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा, "साथ मिलकर, हम शिक्षा सुधारों और पाठ्यपुस्तक की गलतियों से संबंधित मुद्दे पर एक खाका तैयार करेंगे।" दास ने नीट–यूजी प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रध ान के इस्तीफे का भी जिक्र किया और कहा कि गोंड को भी पाठ्यपुस्तकों में हुई गलतियों की इसी तरह से जिम्मेदारी लेनी चाहिए।इस बीच, नवनिर्माण युवा छात्र संगठन ने राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सुधार और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग करते हुए 22 सितंबर को ओडिशा विधानसभा का घेराव करने की घोषणा की है।

ग्रोव हिल ट्रस्ट के बोर्ड में बदलाव, 5 सदस्यों की सदस्यता समाप्त

लखनऊ। ग्रोव हिल बोर्डिंग पब्लिक स्कूल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट में बोर्ड सदस्यता में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। 23 दिसंबर 2025 को नाजमा हुसैन, जामिया आलम, अली आलम, मोहम्मद सैफ, सुमैया आलम, शाहिस्ता वारसी एवं शहनाज हुसैन ने स्वेच्छा से त्यागपत्र दिया।14 जुलाई 2026 को महासचिव मोहम्मद शोएब आलम की अध्क्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में प्रिशा सलाम बख्शी, कविता, अशोक कुमार सरोज एवं आरती कुमारी उपस्थित रहे। बैठक में विचार–विमर्श के बाद निर्कुमा वर्मा, हरिश्चंद्र वर्मा, प्राची आर्या, विभु अमिताभ एवं हेमलता अग्रवाल की सदस्यता निष्क्रियता एवं अपेक्षित सहभागिता के अभाव में समाप्त करने का निर्णय लिया गया। संलग्न रिकॉर्ड में 14 जुलाई की बैठक और इन पांच सदस्यों की सदस्यता समाप्त किए जाने का उल्लेख है।इसके बाद 10 अगस्त 2026 को प्रिशा सलाम बख्शी एवं आरती कुमारी ने भी त्यागपत्र दिया। ट्रस्ट द्वारा सभी परिवर्तनों को आधिकारिक अभिलेखों में दर्ज कर संबंधित पंजीकरण प्राधिकारी को सूचित करने की प्रक्रिया की जा रही है, ताकि ट्रस्ट के शैक्षणिक, सामाजिक एवं चौरिटेबल कार्य सुचारु रूप से जारी रहें।

सेवा संकल्प पखवाड़ा के अंतर्गत वरिष्ठ साहित्यकार डा. अर्जुन दास केसरी जी का सम्मान

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प पखवाड़ा के अंतर्गत वरिष्ठ साहित्यकार, पत्रकार, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एवं आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज, रॉबर्ट्सगंज, सोनभद्र के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अर्जुन दास केसरी जी को अंगवस्त्र, बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉ. अर्जुन दास केसरी जी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में तथा देश के प्रधानमंत्री के रूप में अनेक अविस्मरणीय कार्य किए हैं। उनके नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की।पूर्व जिला अध्यक्ष श्री धर्मवीर तिवारी जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा एवं समर्पण की भावना के साथ विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में समाज, साहित्य, शिक्षा, पत्रकारिता एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले मनीषियों को सम्मानित करने का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि डॉ. अर्जुन दास केसरी जी ने लोककला, लोकसंस्कृति, साहित्य, जनजातीय जीवन, शिवम, पुरातत्व एवं धरोहर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर लगभग 60 पुस्तकों का लेखन किया है। शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में उन्हें अनेक राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा भी उन्हें तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। पत्रकारिता के क्षेत्र में 'लोकवार्ता' शोध पत्रिका के माध्यम से भी उन्होंने समाज और साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।डॉ. केसरी जी का अनुभव, ज्ञान और साहित्यिक योगदान हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे मनीषियों का सम्मान करना हमारी समृद्ध सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान प्रकट करना है।इस अवसर पर अरविंद पांडे जी, मनीष अग्रहरि जी, विनोद सोनी जी, मुकेश सोनी जी सहित अन्य गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कालपी का हाथ कागज, लकड़ी के खिलौने, गौ-उत्पाद और रसगुल्ला-गुझिया से दुनिया देखेगी बुन्देलखण्ड का हुनर

उरई (जालौन)20 सितम्बर बुन्देलखण्ड की धरती का जनपद जालौन अब विश्व बाजार में अपनी दस्तक देने जा रहा है। 24 से 29 सितम्बर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर, नॉलेज पार्क–2 में आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (न्प्प्ैै)–2026 में जालौन के पाँच उद्यमी अपने उत्पादों के साथ जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहाँ 80 देशों के खरीदार जुटेंगे। जिलाधिकारी की पहल, उद्योगों को वैश्विक उड़ान जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर उद्योग विभाग ने स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन को गति दी है। उनका स्पष्ट निर्देश है कि जालौन की पहचान केवल कृषि प्रधान जनपद तक सीमित न रहे, बल्कि उत्पादन, उद्यमिता और रोजगार सृजन के उभरते केन्द्र के रूप में स्थापित हो। कौन–कौन करेगा प्रतिनिधित्व उपायुक्त उद्योग धर्मेन्द्र भास्कर ने बताया कि जनपद से पाँच स्टॉल आवंटित हुए हैं।नरेन्द्र तिवारी, अध्यक्ष हाथ कागज संघ, कालपी व्क्व् एवं ळप् टैग प्राप्त कालपी का प्रसिद्ध हाथ कागज, अमन चंदेल लकड़ी के खिलौने, राधा पाण्डेय गौ–निर्मित उत्पाद,अखिलेश पाल व्क्ब् के तहत रसगुल्ला एवं गुझिया,शौर्य कुमार सिंह, अनुरागिनी संस्थान कालपी हाथ कागज उत्पाद उद्यमियों को सरकार का बड़ा प्रोत्साहन प्रदेश सरकार ने व्क्व्, ळप् टैग, ब्ड युवा एवं व्क्ब् श्रेणी के प्रतिभागियों को स्टॉल निःशुल्क उपलब्ध कराया है। साथ ही ट्रांसपोर्टेशन पर 75ः तक किराया प्रतिपूर्ति का प्रावधान भी है।यह आयोजन जालौन के लिये केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि स्थानीय हुनर को बड़े बाजार, निवेशकों और अन्तर्राष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़ने का स्वर्णिम अवसर है।

जालौन की सड़कों को मिलेगी गड्ढों से मुक्ति, आज से अभियान का आगाज

जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर 63 किलोमीटर मार्गों पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य, उरई क्षेत्र के पांच प्रमुख मार्ग पहले चरण में शामिल

उरई (जालौन)जनपद की सड़कों जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर सोमवार दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2026–27 के द्वारा सड़क की खराब सतह और गड्ढों अभियान के पहले चरण में उरई क्षेत्र के को गड्ढामुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित कोंच–पहाड़गांव–कमतरि मार्ग और बंगरा हिस्से में मरम्मत कार्य कराया जाए रहा के 20 किलोमीटर, आटा–चुर्खी मार्ग से जालौन–चुर्खी मार्ग के 10 किलोमीटर

जिलाधिकारी के निर्देश के बाद चिन्हित मार्गों पर कार्यवाही शुरू कर दी श्रेणी में आता है, जबकि अन्य चिन्हित

को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में से जनपद में गड्ढामुक्ति अभियान शुरू कर लिए चिन्हित मार्गों पर लोक निर्माण विभाग को दुरुस्त करने का कार्य कराया जाएगा। पांच मार्गों की कुल 63 किलोमीटर लंबाई किया गया है।अभियान के तहत रेडर–लगामपुरा मार्ग के 15–15 किलोमीटर है। इसके साथ ही हमीरपुर–कालपी मार्ग नूरपुर संपर्क मार्ग के 3 किलोमीटर तथा हिस्से को भी गड्ढामुक्त किया जाए रहा है। संबंधित खंडों के अधिशासी अभियंताओं ने है। हमीरपुर–कालपी मार्ग एसएच–91 मार्गों में ओडीआर और ग्रामीण संपर्क मार्ग शामिल हैं। अभियान के जरिए सड़कों की स्थिति में सुधार के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से गड्ढामुक्ति कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि चिन्हित मार्गों पर आवागमन की परेशानी दूर हो और सड़कों की स्थिति में प्रभावी सुधार दिखाई दे। आगामी चरणों में आवश्यकता के अनुसार अन्य मार्गों को भी अभियान में शामिल किए जाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

रात 8 बजे कान्हा गौशाला एट पहुँचे गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता श्याम जी, व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

उरईध्एट (जालौन), 21 सितम्बर 2026उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष, राज्यमंत्री श्याम बिहारी गुप्ता श्श्याम जीश्ने आज रात्रि करीब 8 बजे एट स्थित कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण कर पूरे प्रशासन में हड़कम्प मचा दिया। अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश श्याम बिहारी गुप्ता के अचानक पहुँचने से जहाँ अधिकारियों में अफरा–तफरी मच गई, वहीं गौ–सेवकों में नवीन ऊर्जा का संचार हो गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में 147 निराश्रित गोवंशसंरक्षित पाये गये। अध्यक्ष श्री गुप्ता सैकड़ों गोवंशों के बीच पहुँचे, बड़े वात्सल्य भाव से उनके मस्तक पर हाथ फेरा और अपने हाथों से हरा चारा व गुड़ खिलाया। उन्होंने भूसा भण्डार गृह, हरे चारे की उपलब्धता, पेयजल नांदों की स्वच्छता, चूनी–चोकर की गुणवत्ता, दवाओं के स्टॉक, टीकाकरण पंजिका, गोवंश आमद–मृत्यु पंजिका, चारा वितरण रजिस्टर और शासन से प्राप्त अनुदान के व्यय की बारीकी से जाँच की। गोबर निस्तारण, कीचड़ निकासी और शेडों में प्रकाश–वायु की व्यवस्था का भी जायजा लिया। श्री गुप्ता ने कहा परिसर में कीचड़ से निजात के लिये नगर पंचायत एट को इंटरलॉकिंग कराने के निर्देश देते हुए गोवंशों की बेहतर देखभाल हेतु चार अलग–अलग वर्ग बनाने के लिए कहा। मादा गोवंश, नंदी, छोटे बछड़े और बीमार गोवंशों को अलग–अलग रखने के निर्देश। पशु आहार की बोरी पर वजन, ड्थ्ब और पैकिंग डेट अनिवार्य हो, सड़ा–गला भोजन न दिया जाये। उन्होंने कहा कि

गोवंशों को मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत पात्र लोगों को सुपुर्द किया जाये। योजना के तहत गोवंश लेने वाले को प्रति गोवंश 1500 रुपये प्रतिमाह की सहायता मिलेगी।गोवंशों की सुरक्षा हेतु लिडोरी के चारों ओर बैरिकेडिंग कराई जाये।

लिडोरी का पानी नियमित बदला जाये, चूना डाला जाये और नियमित साफ–सफाई हो।एट गौशाला को ट्रेनिंग सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा, जहाँ गोबर–गोमूत्र, जैविक खाद, प्राकृतिक खेती और बायोगैस का प्रशिक्षण दिया जायेगा। गौशाला में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।गौ–सेवा केवल कर्तव्य नहीं, पुण्य और संस्कार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रत्येक निराश्रित गोवंश को सम्मानजनक जीवन मिले। शासन की धनराशि का शत–प्रतिशत सदुपयोग गोवंशों पर ही होना चाहिये। इसमें भ्रष्टाचार अक्षम्य है।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत एट, पशु चिकित्साधिकारी सहित अनेक गौ–सेवक उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम और जिला अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर व गोष्ठी आयोजित

-बढ़ती उम्र में भूलने की आदत को न करें नजरअंदाज

बांदा।विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद बांदा में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वृद्धजनों के मानसिक स्वास्थ्य और अल्जाइमर रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर तथा जिला चिकित्सालय में एक विशेष जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। यह पूरा कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजेंद्र सिंह के निर्देशानुसार तथा जिला नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश पहाड़ी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला चिकित्सालय में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक गुप्ता ने अल्जाइमर रोग के मुख्य लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि याददाश्त कम होना और भूलने की समस्या लगातार बढ़ना। दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों को करने में कठिनाई महसूस होना। परिचित लोगों, परिजनों और स्थानों को पहचानने में परेशानी। व्यवहार में अचानक बदलाव और निर्णय लेने की क्षमता में कमी आना।डॉ. गुप्ता ने जोर देकर कहा कि इन लक्षणों को केवल श्बढ़ती उम्र का प्रभावश् मानकर नजरअंदाज न करें, बल्कि समय रहते विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें।मानसिक स्वास्थ्य व भावनात्मक सहयोगरू क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. रिजवान हाशमी ने कहा कि वृद्धजनों को परिवार के सदस्यों का भावनात्मक सहयोग मिलना बेहद जरूरी है। अनुश्रवण एवं मूल्यांकन अधिकारी नरेन्द्र कुमार मिश्रा ने सलाह दी कि बुजुर्ग अपनी याददाश्त को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित योग और प्राणायाम करें, परिवार के साथ समय बिताएं और मोबाइल फोन का अत्यधिक व अनावश्यक प्रयोग कम करें।साइकियाट्रिक नर्स त्रिभुवन नाथ ने बुजुर्गों को मानसिक रूप से सक्रिय रहने के लिए किताबें पढ़ने, अपनों से बातचीत करने और अपनी रुचि के रचनात्मक कार्यों में मन लगाने का सुझाव दिया। वृद्धाश्रम के मैनेजर श्याम किशोर त्रिवेदी ने कहा कि बुजुर्गों के साथ धैर्य, सम्मान और संवेदनशीलता भरा व्यवहार उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी औषधि है।

वृद्धाश्रम मेंआयोजित शिविर के दौरान बुजुर्गों के स्वास्थ्य की निरूशुल्क जांच की गई और आवश्यक परामर्श दिया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन व आयोजन में फार्मासिस्ट आनंद कुमार, नर्स आरती, अनुपम त्रिपाठी और अशोक कुमार ने सराहनीय योगदान दिया। बढ़ती उम्र में यदि याददाश्त मेंलगातार गिरावट, व्यवहार में बदलाव या दैनिक कार्योंमें परेशानी जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह और उपचार शुरू कराएं।

यूपीआई पर एमडीआर शुल्क के विरोध में उतरा व्यापार मंडल

-जिला उद्योग व्यापार मंडल बांदा ने 7 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा
-छोटे और फुटकर व्यापारियों के लिए यूपीआई पूरी तरह मुफ्त रखने की उठाई मांग

बांदा। डिजिटल भुगतान क्रांति के दौर में यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू किए जाने की खबरों और नई व्यवस्था को लेकर व्यापारियों में गहरी चिंता व्याप्त हो गई है। सोमवार को जिला उद्योग व्यापार मंडल बांदा द्वारा राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें नई एमडीआर व्यवस्था के संभावित दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए छोटे व फुटकर व्यापारियों को राहत देने की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत यूपीआई ने देश में भुगतान प्रणाली को बेहद आसान और पारदर्शी बनाया है। हालांकि, नई एमडीआर व्यवस्था लागू होने से किराना, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, दवा और जनरल स्टोर जैसे छोटे, मध्यम व फुटकर व्यापारी प्रभावित होंगे। व्यापारियों का कहना है कि इन व्यवसायों में प्रॉफिट मार्जिन पहले से ही बहुत सीमित होता है। यदि डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जाता है, तो इसकी लागत का अंतिम बोझ आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ेगा। इससे बाजार में महंगाई बढ़ेगी और लोग डिजिटल लेनदेन छोड़कर एक बार फिर नकद लेनदेन की ओर लौटने को मजबूर होंगे, जिससे डिजिटल भुगतान अभियान को धक्का लग सकता है। छोटे, मध्यम और फुटकर व्यापारियों के लिए यूपीआई व्यवस्था को पूरी तरह शुल्क मुक्त रखा जाए। केवल यूपीआई लेनदेन की राशि के आधार पर सीमा तय करने के बजाय व्यापार की प्रकृति और मार्जिन को ध्यान में रखकर मानदंड बनाए जाएं। किसी भी नई व्यवस्था या शुल्क को लागू करने से पहले देश के प्रमुख व्यापारिक संगठनों से अनिवार्य रूप से विचार–विमर्श किया जाए। डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए छोटे कैशलेस लेनदेन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां ही बनाई जाएं। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे आवश्यक वस्तुओं के दामों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो। डिजिटल लेनदेन पर बैंकों द्वारा किसी भी अप्रत्यक्ष या छिपे हुए शुल्क पर रोक लगाई जाए।असंगठित व छोटे दुकानदारों के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए ठोस नीतिगत उपाय किए जाएं।

जिला उद्योग व्यापार मंडल बांदा के जिलाध्यक्ष सत्यप्रकाश ने कहा कि यूपीआई ने व्यापार को सुगम बनाया है, लेकिन अगर फुटकर व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क थोपा गया तो छोटा व्यापारी और आम ग्राहक दोनों पिसेंगे। कपड़ा, किराना और दवा जैसी छोटी दुकानों पर मार्जिन पहले से ही कम है। हमारी मांग है कि छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई को पूरी तरह निशुल्क रखा जाए और नीतियां बनाने से पहले व्यापार मंडल से संवाद किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग की बदहाली और भ्रष्टाचार के खिलाफ जदयू का आमरण अनशन शुरू

-जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी के नेतृत्व में अशोक लाट पर अनिश्चितकालीन अनशन
-15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रशासन को सौंपा

बांदा। जिला अस्पताल एवं रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज सहित संपूर्ण जनपद की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था, कथित भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं के विरोध में सोमवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के तत्वावधान में बांदा के अशोक लाट पर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू हो गया। अनशन का नेतृत्व जदयू की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड संगठन प्रभारी शालिनी सिंह पटेल कर रही हैं। अनशन के पहले ही दिन बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर अपना समर्थन जताया।अनशन स्थल पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल ने कहा, ष्जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह वेंटिलेटर पर हैं। मरीजों से अवैध वसूली की जा रही है, बाहर की दवाइयां लिखी जा रही हैं और कर्मचारियों का उत्पीड़न हो रहा है। जब तक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच को लेकर कोई ठोस ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह आमरण अनशन अनवरत जारी रहेगा। 300 बेड का अस्पताल चालू होरू 300 बेड वाले मंडलीय अस्पताल को तत्काल पूर्ण रूप से शुरू किया जाए। जिला अस्पताल सहित नरैनी, बबेरू, कमासिन, अतर्रा, तिंदवारी और जसपुरा स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त की जाए। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल में मरीजों से कथित अवैध वसूली, बाहर की दवाइयां और बाहर से जांच लिखे जाने की निष्पक्ष जांच हो। मेडिकल कॉलेज में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

साहित्यकार राजेंद्र तिवारी 'स्वदेश' को लखनऊ में मिला दोहरा सम्मान

बांदा।जनपद के प्रतिष्ठित साहित्यकार, गीतकार और पूर्व सैनिक राजेंद्र तिवारी 'स्वदेश' को साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए लखनऊ मेंआयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मानद सम्मान समारोह में दोहरे सम्मान से नवाजा गया है। उन्हें 'विद्या वाचस्पति' की मानद उपाधि से विभूषित करने के साथ–साथ प्रतिष्ठित गीतऋषि स्व. गोपालदास 'नीरज' स्मृति सम्मान–2026 भी प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान काशी हिंदी विद्यापीठ के कुलाधिपति सुखमंगल सिंह 'मंगल', कुलसचिव इन्द्रजीत तिवारी 'निर्भीक' और मुख्य अतिथि डॉ. जय सिंह आर्य (दिल्ली) ने उन्हें यह दोनों सम्मान सौंपे। सम्मान प्राप्त करने के बाद राजेंद्र तिवारी 'स्वदेश' ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ष्यह सम्मान माँ गायत्री और बाबा विश्वनाथ के असीम आशीर्वाद, गुरुजनों के स्नेह और समस्त साहित्य अनुरागियों के प्यार व शुभकामनाओं का प्रतिफल है।ष् उन्होंने इस उपलब्धि को देश के सभी साहित्य प्रेमियों को समर्पित किया। राजेंद्र तिवारी 'स्वदेश' की साहित्यिक यात्रा उनके छात्र जीवन (इलाहाबाद) से शुरू हुई थी। इसके बाद भारतीय सेना में सेवा देने के कारण उनकी रचनाधर्मिता में कुछ समय का विराम आया। वर्ष 2017 में उन्होंने पुनः काव्य साधना को गति दी और देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों, दिल्ली सहित कई साहित्यिक आयोजनों, आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। वर्ष 2020 के बाद अकादमी संचालन और सामाजिक दायित्वों के कारण कुछ समय तक लेखन धीमा रहा, लेकिन विगत दो वर्षों से उन्होंने पुनः पूर्ण समर्पण के साथ साहित्य साधना शुरू की। निरंतर लेखन और काव्य पाठ के बल पर मिला यह दोहरा सम्मान उनकी साहित्यिक यात्रा का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। साहित्यिक अवदान के साथ–साथ राजेंद्र तिवारी 'स्वदेश' सामाजिक सरोकारों में भी काफी सक्रिय हैं। वह पूर्व सैनिक सेवा परिषद, धर्म जागरण, अखंड हिंदू फौज और गायत्री परिवार की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। वर्तमान में वह भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के सचिव पद का दायित्व भी संभाल रहे हैं।

एक पूर्व सैनिक, समाजसेवी और साहित्यकार के रूप में उनकी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बांदा के साहित्यिक एवं सामाजिक हलकों में हर्ष की लहर है। शहर के प्रबुद्ध जनों और साहित्य प्रेमियों ने उन्हें इस दोहरे सम्मान के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

सुगंध दशमी पर जैन मंदिरों में गूंजे मंत्र

बांदा। जैन धर्म के पवित्र पर्युषण पर्व के पांचवें दिन सोमवार को बांदा का जैन समाज पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। इस अवसर पर सुगंध दशमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर के छोटी बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर एवं जैन चौत्यालय जी में सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जहाँ विशेष पूजा–अर्चना और धार्मिक विधान संपन्न कराए गए। पंडित नन्हें भइया ने बताया कि इंद्रियों और मन पर नियंत्रण ही संयम का मूल भाव ,धार्मिक अनुष्ठान के दौरान बाल ब्रह्मचारी पंडित नन्हें भइया ने उत्तम संयम धर्म पर मार्मिक प्रवचन दिए। उन्होंने संयम की महिमा का बखान करते हुए कहा, ष्संयम मनुष्य के जीवन को अनुशासन और आत्मिक शांति की ओर ले जाता है। अपनी इच्छाओं, क्रोध, लोभ, मोह और कषायों पर नियंत्रण रखना ही संयम का वास्तविक मूल भाव है। उन्होंने आगे कहा कि संयम केवल बाहरी नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों, वाणी और व्यवहार को मर्यादित रखने का मार्ग है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से संयम को जीवन में उतारकर आत्मशुद्धि की ओर बढ़ने का आह्वान किया।सुगंध दशमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेंद्र देव की आराधना की और सुगंधित द्रव्यों से धार्मिक अनुष्ठान पूरे किए। इस पर्व के संदेश पर प्रकाश डालते हुए प्रवचनकर्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार सुगंध पूरे वातावरण को सुवासित कर देती है, ठीक उसी तरह व्यक्ति के अच्छे विचार, सदाचार और संयमी जीवन से उसका संपूर्ण जीवन सुगंधित हो उठता है। पर्व के दौरान मुनि सुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान शीतलनाथ जी का महामस्तकाभिषेक अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। मंत्रोच्चार और पूजा–पाठ की धुनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन–पूजन कर विश्व शांति, समृद्धि और आत्मकल्याण की मंगल कामना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने पर्युषण पर्व के मूल संदेशों को अपने जीवन में उतारने के साथ–साथ संयम, सदाचार और आत्मशुद्धि का संकल्प लिया।

तिंदवारी में सपा का शक्ति प्रदर्शन

बांदा। समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक एकजुटता अभियान के तहत जनपद बांदा की तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरजिता एवं चौकी पुरवा में पीडीए एकता सम्मेलन का भव्य व सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में समाज के पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक वर्गों को एकजुट करने और सपा की नीतियों को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री विशंभर प्रसाद निषाद द्वारा किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश यादव ने की।

रामप्रकाश प्रजापतिकार्यक्रम में मुख्य अतिथि और पीडीए प्रभारी के रूप में मौजूद समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों की एकजुटता ही प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिखेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गाँव–गाँव जाकर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया।जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट हो जनतारू उमेश यादवसपा जिलाध्यक्ष उमेश यादव ने अपने संबोधन में वर्तमान सरकार की नीतियों पर हमला बोलते हुए कहा कि गरीब, किसान और नौजवान आज बदहाली की कगार पर हैं। समाजवादी पार्टी ही समाज के हर वर्ग के सम्मान और अधिकारों की रक्षा कर सकती है।सम्मेलन में ये प्रमुख नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस दौरान समाजवादी पार्टी व उसके अग्रिम संगठनों के तमाम वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें मुख्य रूप सेरूबलवान सिंह, अशोक सिंह गौरअखिल भारतीय यादव महासभा बांदा के जिलाध्यक्ष डी.आर. यादव कुदरत उल्ला खान, श्यामबाबू खंगार, रामदास निषाद, रामबाबू यादव, रामलालप्रमोद निषाद, दिलीप पटवा, अजरूद्दीन, संतराम बाल्मीक, सभाजीत यादवनारायणदास, रामसजीवन प्रजापति, यशवंत यादव, जगमोहन प्रजापति, शिवदास प्रजापतिसम्मेलन के अंत में आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं व स्थानीय ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

हिन्दी दैनिक
जन विचार प्रवाह

आई ए ओ ने मनाया अंतराष्ट्रीय शांति दिवस

फिरोजाबाद. इंटरनेशनल एडवोकेट आर्गेनाइजेशन की जिला इकाई के तत्वाधान में जनपद एवं सत्र न्यायालय के प्रांगण में विश्व अंतराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया.इस दौरान मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका इजराइल व ईरान युद्ध एवं तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई.

और विश्व में शांति स्थापना व तनाव को कम करने हेतु संबंधित देशों से शांति बहाल करने की अपील की गई है.इस मौके पर इंटरनेशनल एडवोकेट आर्गेनाइजेशन के जिला अध्यक्ष संजय कुमार त्रिपाठी एडवोकेट ने विमल बाबू यादव एडवोकेट को उनके जन्म दिन की शुभ कामनाएँ भी प्रेषित की, विश्राम सिंह राठौर सहित अनेक अधिवक्ता गण मौजूद रहे.

सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत डी एम ने स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

–संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल–

फिरोजाबाद.ष्सेवा संकल्प अभियानष के अन्तर्गत जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा नगरीय प्रा०स्वा०केन्द्र रामनगर में मरीजो से स्वास्थ्य केन्द्र पर मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली गयी। सभी मरीज नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से संतुष्ट मिले। जिसमें सर्वप्रथम मरीजों के पंजीकरण काउन्टर का निरीक्षण किया गया

इसके उपरांत स्क्रीनिंग काउंटर,आभा आई काउंटर, टीकाकरण डैस्क का निरीक्षण किया गया, जिसमें 12 गर्भवती महिलाओं व नवजात बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका था।इस के उपरांत पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया गया.

रसोई में मौजूद पोषक आहार ही एनीमिया की 'संजीवनी'

–संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल–

आगरा,थकान, सांस फूलना और चेहरे की रंगत फीकी पड़नाकृये केवल काम के बोझ के लक्षण नहीं, बल्कि उस श्साइलेंट किलरश के संकेत हैं जो आधी से अधिक आबादी को चुपचाप चपेट में ले चुका है। आमतौर पर एनीमिया का इलाज सिर्फ आयरन की गोलियों तक सीमित मान लिया जाता है, लेकिन जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों और आहार विशेषज्ञों का मानना है कि दवाओं से ज्यादा टिकाऊ और प्रभावी समाधान हमारी रसोई में छिपा है।राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश और विशेष रूप से आगरा मंडल में एनीमिया गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। मंडल में महिलाओं में एनीमिया का स्तर राज्य के औसत के आसपास या कई जिलों में उससे भी अधिक है। आगरा जिले की बात करें तो यहाँ 15–49 वर्ष की 59.4: महिलाएं और 61.8: गर्भवती महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं। फिरोजाबाद में 15–49 वर्ष की 57.1: महिलाएं और 45.8: गर्भवती महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं। मथुरा में 15–49 वर्ष की 63.0: महिलाएं और 55.2: गर्भवती महिलाएं एनीमिया और मैनपुरी में 15–49 वर्ष की 57. 8: से महिलाएं और 48.4: गर्भवती महिलाएं एनीमिया से प्रभावित पाई गईं हैं। जिला महिला चिकित्सालय (लेडी लॉयल) की स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. आशु के अनुसार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, एनीमिया केवल आयरन की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि यह फोलिक एसिड, विटामिन बी 12 और विटामिन–ए जैसे अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों के अभाव से भी जुड़ा है।उन्होंने बताया कि कि गर्भावस्था और धात्री अवधि के दौरान शरीर को आयरन और आवश्यक पोषक तत्वों की अत्यधिक आवश्यकता होती है। इस चरण में एनीमिया का प्रभाव माँ और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा होता है। प्रसव पश्चात अत्यधिक रक्तस्राव (पीपीएच) और मातृ मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, एनीमिया के कारण समय से पहले प्रसव (प्री–टर्म डिलीवरी), कम वजन वाले बच्चे (लो बर्थ वेट) का जन्म और गर्भ में शिशु के कमजोर विकास का जोखिम रहता है। यदि धात्री माता के एनेमिक होने से रिकवरी धीमी हो जाती है, जिसका अप्रत्यक्ष असर शिशु की देखभाल और उसके पोषण पर पड़ता है।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा

हमीरपुर। जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कर–करेत्तर राजस्व वसूली एवं प्रवर्तन से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष की गई राजस्व वसूली की विभागवार समीक्षा करते हुए प्रगति की स्थिति का जायजा लिया गया।समीक्षा के दौरान जिन विभागों की कर–करेत्तर राजस्व वसूली अपेक्षित स्तर से कम पाई गई, उन्हें सख्त चेतावनी देते हुए लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित विभाग निर्धारित राजस्व लक्ष्य की नियमित समीक्षा करते हुए प्रभावी वसूली की कार्ययोजना बनाएं तथा लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। जिन विभागों की वसूली संतोषजनक है, उन्हें भी वर्तमान प्रगति को बनाए रखते हुए अपेक्षित लक्ष्य के अनुरूप शत–प्रतिशत राजस्व संग्रह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में कर–करेत्तर राजस्व वसूली एवं प्रवर्तन से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आबकारी, खनिज, परिवहन, राजस्व, वन विभाग, निबंधन एवं स्टांप, बाट–माप, प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन, मंडी, खाद्य एवं विपणन, खाद्य सुरक्षा तथा श्रम प्रवर्तन आदि विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली से जुड़े लंबित प्रकरणों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए बकाया राजस्व की वसूली में तेजी लाई जाए तथा प्रवर्तन कार्यों को भी नियमित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व वसूली में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा, बकाया राजस्व की प्रभावी वसूली, प्रवर्तन कार्यों में तेजी तथा राजस्व संग्रह में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विभागवार कार्ययोजना के अनुसार प्रगति बढ़ाने तथा निर्धारित अवधि में लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसे प्रकरणों, जिनमें लंबे समय से राजस्व की वसूली लंबित है, को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश कुमार, समस्त उपजिलाधिकारीगण, उपायुक्त राज्यकर सहित आबकारी, खनिज, परिवहन, राजस्व, वन, निबंधन एवं स्टांप, बाट–माप, प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन, मंडी, खाद्य एवं विपणन, खाद्य सुरक्षा, श्रम प्रवर्तन आदि से संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चिता की आग में मीट पकाने के तीन अभियुक्तगिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना पुवायां पुलिस ने अंतिम संस्कार के बाद चिता की आग में मीट पकाने, विरोध करने पर गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने के अभियोग में वांछित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।19 सितम्बर को थाना पुवायां क्षेत्र के गांव नत्थापुर निवासी वीरपाल के पिता छोटेलाल की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। उन्होंने 20 सितंबर की दोपहर को अपने पिता का गांव के पास ही श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया था। शाम को वह परिजनों के साथ चिता को देखने के लिए गए, तो गांव के ही तीन लोग उसके पिता की चिता पर कटोरे में मीट पकाते हुए मिले। उन्होंने विरोध किया तो उन लोगों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

यूजीसी नियमों और आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ ज्ञापन, सत्ता के रोल बैक की चेतावनी

बांदा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वर्तमान नियमों, आरक्षण व्यवस्था में सुधार, तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर सोमवार को नरैनी तहसील में व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया। सवर्ण समाज एवं युवाओं द्वारा उपजिलाधिकारी नरैनी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक 6–सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के दौरान वक्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार युवाओं और विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित करने वाले नियमों में संशोधन नहीं करती है, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। उच्च शिक्षा से जुड़े विवादित प्रावधानों को तत्काल वापस लेने या संशोधित करने की मांग, ताकि विद्यार्थियों और शैक्षणिक संस्थानों के भविष्य पर कोई विपरीत असर न पड़े।कानून के दुरुपयोग को रोकने और झूठी शिकायत प्रमाणित होने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की व्यवस्था की मांग। आरक्षण व्यवस्था में आय, संपत्ति, शैक्षणिक स्थिति और वास्तविक आवश्यकता को मानक बनाने की मांग। आरक्षण का लाभ ले चुके परिवारों के सामाजिक–आर्थिक स्तर का समय–समय पर तथ्यात्मक मूल्यांकन करने की मांग, जिससे लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे।सामान्य वर्ग के कमजोर नागरिकों की शिक्षा, फीस, छात्रवृत्ति और रोजगार संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु श्सवर्ण आयोगश् या समान अवसर आयोग का गठन। समाज के हर वर्ग के लिए समान विधिक सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की गारंटी। यदि सरकार यूजीसी के इन नियमों को रोल बैक नहीं करती है, तो हम सरकार को रोल बैक करेंगे। यह लड़ाई किसी एक वर्ग की नहीं, बल्कि देश के विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा सवाल है। सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करना ही होगा। हमारी लड़ाई किसी के अधिकार छीनने की नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए न्यायपूर्ण और समान अवसर सुनिश्चित करने की है। हम लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से अपनी मांगों को लगातार उठाते रहेंगे।ज्ञापन कार्यक्रम में क्षेत्र के युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की भारी उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्य रूप से उमेश तिवारी, सोनू करवरिया, प्रदीप करवरिया, आदित्य प्रताप सिंह, आनंद पांडेय, रोहित पाठक, जीतू त्रिपाठी, कामता प्रसाद मिश्रा, जागेश्वर प्रसाद पांडेय, पप्पू करवरिया समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से संवैधानिक और लोकतांत्रिक मर्यादा के तहत की गई है और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति भवन व केंद्र सरकार इन मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी।

पुरातन-छात्र समागम में डा. चन्द्रशेखर तिवारी को मिला 'नवोन्मेषी शिक्षा सेवा सम्मान-2026'

अनपरा (सोनभद्र)।अवधूत भगवान राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अनपरा में प्रशस्ति–पत्र, अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर किया गया सम्मानितअनपरा, सोनभद्र।अवधूत भगवान राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अनपरा, सोनभद्र में आयोजित 'पुरातन–छात्र–समागम–2026' के अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व हिन्दी प्रवक्ता एवं विभागाध्यक्ष तथा वर्तमान में आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर, सोनभद्र में कार्यरत वरिष्ठ शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवोन्मेषी प्रयासों, सतत योगदान एवं समर्पित सेवाओं के लिए 'नवोन्मेषी शिक्षा सेवा सम्मान–2026' से सम्मानित किया गया।समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय विक्रम सिंह एवं महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. तिवारी का आत्मीय अभिनंदन किया गया तथा उन्हें प्रशस्ति–पत्र, अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय मेंउनके दीर्घकालीन शैक्षणिक योगदान एवं विद्यार्थियों के प्रति समर्पित सेवाओं को विशेष रूप से स्मरण किया गया।मूल रूप से गाजीपुर जनपद के निवासी डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी ने अवधूत भगवान राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अनपरा में लगभग ग्यारह वर्षों तक हिन्दी प्रवक्ता एवं विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ दी हैं। इसके अतिरिक्त वे गाजीपुर, फेफना, खेतीपुर, बरही एवं जमानिया के विभिन्न महाविद्यालयों में भी हिन्दी अध्यापन कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2019 से वे आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज, रेणुसागर में हिन्दी शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं।शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में डॉ. तिवारी का योगदान बहुआयामी है। उनकी मौलिक एवं सम्पादित मिलाकर सोलह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। देश की विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में उनके एक सौ पचास से अधिक शोधपत्र एवं समीक्षा–लेख प्रकाशित हैं। उन्होंने तीन दर्जन से अधिक पुस्तकों में अध्याय–लेखन, सात पत्र–पत्रिकाओं के सम्पादन तथा अस्सी से अधिक राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं वेबिनारों में शोधपत्र–वाचन किया है।

डॉ. तिवारी को इससे पूर्व इण्डिया प्राउड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा 'भारत गौरव सम्मान–2023' से सम्मानित किया जा चुका है। यह उपलब्धि इण्डिया प्राउड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। इसके अतिरिक्त उन्हें विद्यासागर (डी. लिट्) सम्मान, गूगनराम सिहाग साहित्य गौरव सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान एवं परम भूषण अवॉर्ड सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी ने कहा, "जिस महाविद्यालय परिसर में मुझे पूर्व में अध्यापन का अवसर प्राप्त हुआ, वहाँ पुनः लौटकर इस प्रकार का स्नेह और आदर पाना मेरे लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक अनमोल आशीर्वाद है। मैं प्राचार्य डॉ. अजय विक्रम सिंह जी एवं पूरे महाविद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। इस सम्मान से शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की मेरी जिम्मेदारी भी बढ़ी है।"

डॉ. तिवारी के सम्मानित होने पर शैक्षणिक एवं साहित्यिक जगत के गणमान्य लोगों, सहयोगियों, पूर्व विद्यार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

जिलाधिकारी ने की जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

हमीरपुर। जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की नवम् बैठक एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, सड़क सुरक्षा उपायों, चिन्हित ब्लैक स्पॉट, सड़क सुधार कार्य तथा मिशन सेफ फ्यूचर–3.0 के अंतर्गत स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में जनवरी से अगस्त 2026 तक हुई सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति एवं उनके प्रमुख कारणों की समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित सड़क स्वामित्व वाली संस्थाओं को चिन्हित ब्लैक स्पॉट, तीव्र मोड़ों, क्षतिग्रस्त रम्बल स्ट्रिप्स, रोड मार्किंग एवं स्पीड टेबलध्टेबल टॉप आदि को मानकों के अनुरूप दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। एनएच–34 पर यमुना एवं बेतवा ब्रिज तथा राठ तिराहे के आसपास आवश्यक सड़क सुधार कार्य तथा कुण्डैरा मार्ग के समीप तीव्र मोड़ पर हाइमास्ट लाइट एवं अन्य सुरक्षात्मक उपाय शीघ्र पूर्ण कराने को कहा गया।जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत ओवरलोडिंग, अवैध परिवहन, यातायात नियमोंके उल्लंघन तथा मॉडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश दिए। एक या उससे अधिक मृत्यु वाली सड़क दुर्घटनाओं में संलिप्त वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जनपद में वाहनों के लिए आवश्यक होल्डिंग एरिया हेतु भूमि चिन्हित करने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही दुर्घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेस–वे के निकट स्थित ट्रॉमा सेंटरों की जानकारी एवं पहुंच मार्ग को अद्यतन रखने को कहा गया।मिशन सेफ फ्यूचर–3.0 के अंतर्गत स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विद्यालयों में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन, वाहनों में परिचर तथा छात्राओं के परिवहन के लिए महिला परिचर की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय प्रबंधन के माध्यम से स्कूली वाहन चालकों का चरित्र सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने तथा अनफिट वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाने को कहा गया। कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के परिवहन में असुरक्षित वाहनों के प्रयोग तथा 18 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों द्वारा बिना वैध लाइसेंस वाहन चलाने पर भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को सड़क सुरक्षा मानकों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा अपने–अपने विभाग से संबंधित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा दिए गए निर्देशों की प्रगति की अगली बैठक से पूर्व समीक्षा कर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराई जाए।बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश कुमार, एआरटीओ प्रवीण सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्रीमती रिजवाना शाहिद, उपजिलाधिकारी मौदहा करणवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर श्री यशपाल सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकेश खरवार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल का यूपीआई भुगतान पर लगाए गए एमडीआर के विरोध में प्रदर्शन, दिया ज्ञापन

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पंकज वर्मा सर्राफ के नेतृत्व में तमाम व्यापारियों ने दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर लगाए गए एमडीआर के विरोध में प्रदर्शन किया और विरोध जताते हुए यूपीआई के क्यूआर कोड साउंड बॉक्स तोड़े। इस दौरान प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट प्रियंका चौधरी को दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि दो हजार रूपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर एमडीआर को लागू करने से प्रदेश के सभी व्यापारियो में आक्रोश है। व्यापारी पहले से ही आरटीजीएस, चेक, एटीएम ट्रांजक्शन और जीएसटी आदि के द्वारा टैक्स की मार झेल रहा है। ऐसे में अतिरिक्त टैक्स व्यापारी देने में असमर्थ है। यूपीआई पर अतिरिक्त शुल्क न लगाकर ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे व्यापारी और ग्राहक दोनों बिना अतिरिक्त बोझ के डिजिटल भुगतान का अधिक से अधिक उपयोग कर सकें। कोई भी व्यापारी दो हजार के ऊपर का टैक्स अपनी जेब से नहीं देगा। बल्कि वो दो हजार से ऊपर का भुगतान यूपीआई से लेना बन्द कर देगा। ज्ञापन में एमडीआर वापस लेने की मांग की गई। प्रदर्शन करने वालों में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष पंकज वर्मा सर्राफ के साथ प्रान्तीय संगठन मंत्री तिलकराज भोला, वरिष्ठ जिला महामंत्री अजय मोहन शुक्ला, जिला महामंत्री अनीस खान, जिला कोषाध्यक्ष शकील अहमद, महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र नाथ शुक्ला, महानगर कोषाध्यक्ष ओमबाबू सर्राफ, युवा जिलाध्यक्ष अनवार खान, सर्वेश शर्मा, प्रदीप मौर्या, मोहम्मद आलम, अवनीत शुक्ला, आशीष अग्रवाल, शहजाद आदि कई व्यापारी मौजूद रहे।

किशोरी से दुष्कर्म करने के दो आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर। थाना मिर्जापुर पुलिस ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म एवं जान से मारने धमकी देने के 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।14 सितम्बर को एक व्यक्ति ने थाना मिर्जापुर पुलिस को तहरीर दी। आरोप था कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बड़ी सरैयां गांव के रहने वाले ज्ञानेन्द्र पुत्र नरवीर, राजकुमार पुत्र रामसेवक और भीम पुत्र सुन्दर बहला फुसलाकर भगा ले गए और उसकी नाबालिग पुत्री के साथ सामूहिक बालात्कर किया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट और जान से मारने की धमकी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। आज थाना मिर्जापुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ढाई अजमापुर रोड से वांछित अभियुक्त ज्ञानेन्द्र पुत्र नरवीर और भीम पुत्र सुन्दर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस फरार तीसरे अभियुक्त राजकुमार पुत्र रामसेवक की तलाश में है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मिर्जापुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार के साथ उपनिरीक्षक महेशपाल सिंह, कांस्टेबल गोपाल, अभिषेक मौजूद रहे।

जूनियर बालक कबड्डी के जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स में 40 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

हमीरपुर। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, क्षेत्रीय खेल कार्यालय चित्रकूटधाम मंडल, चित्रकूट के निर्देशों के क्रम में प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए आज 21 सितंबर 2026 को राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम, हमीरपुर में जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स आयोजित किए गए। चयन ट्रायल्स में जनपद के कुल 40 बालक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

चयन ट्रायल्स में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए 10 खिलाड़ियों का मंडल स्तरीय चयन ट्रायल्स के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों का मंडल स्तरीय ट्रायल्स 22 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम, चित्रकूट में आयोजित किया जाएगा।

चयनित खिलाड़ियों में हर्षित, संजीव राजा, आलोक, रौनक, निखिल पाल, ईशू प्रजापति, कृष्णा, स्वप्निल यादव, मयंक सोनी एवं शिवम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अवनीश एवं रजनीश को अतिरिक्त खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 27 सितंबर 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम, अयोध्या में किया जाना प्रस्तावित है। मंडल स्तरीय चयन ट्रायल्स के माध्यम से प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

जिला खेल विभाग द्वारा चयनित खिलाड़ियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर मंडल स्तरीय ट्रायल्स में प्रतिभाग करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मौदहा क्षेतान्तर्गत कंस मेला स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का लिया गया जायजा

हमीरपुर स पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना मौदहा क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कंस मेला स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेला कमेटी के सदस्यों से वार्ता कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा मीरा तालाब, अलाव मैदान एवं देवी चौराहा आदि स्थलों का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा मेला क्षेत्र में पैदल गस्त कर आमजन से संवाद किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। मेला में शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारू रखने एवं पार्किंग व्यवस्था के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर, उपजिलाधिकारी मौदहा, प्रभारी निरीक्षक थाना मौदहा सहित अन्य संबंधित अधिकारीध् कर्मचारी मौजूद रहे।

वित्त मंत्री ने फीता काटकर किया सेहरामऊ ढाबे का शुभारंभ

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने रविवार को सेहरामऊ दक्षिणी में सेहरामऊ ढाबे का शुभारंभ फीता काटकर किया। इस दौरान ददरौल विधायक अरविन्द कुमार सिंह भी मौजूद रहे। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने सेहरामऊ ढाबा के प्रोपराइटर ध्रुव सिंह और शरद सिंह को प्रतिष्ठान के शुभारम्भ की शुभकामनाएं दीं। शुभारम्भ से पूर्व प्रतिष्ठान संचालक और क्षेत्रीय लोगों ने मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। सेहरामऊ दक्षिणी में नए प्रतिष्ठान के शुरू होने से स्थानीय लोगों को सुविधाजनक खान–पान की सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई। प्रतिष्ठान के संचालक ध्रुव सिंह एवं शरद सिंह ने अतिथियों और क्षेत्रीय लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, स्थानीय लोगों एवं शुभचिंतकों की मौजूदगी रही। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रतिष्ठान की सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत की चीप पावर से घबरा गई वैश्विक ताकतें!

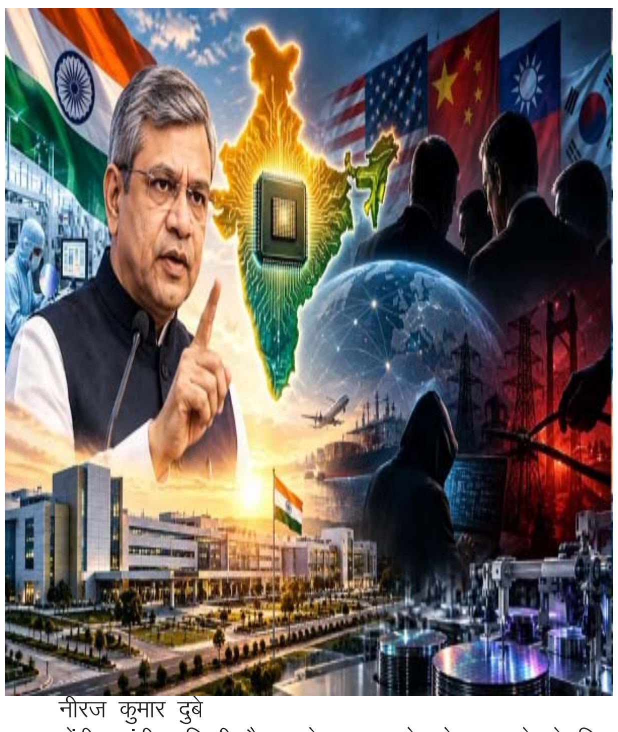

नीरज कुमार दुबे

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस खतरे को समझाने के लिए |चचसम के भारत में पचीवदम निर्माण शुरू होने के शुरुआती दौर का उदाहरण दिया। टीवी समाचार चौनल छक्ज्ट से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि उस समय उत्पादन को बाधित करने के लिए कई तरह के प्रयास किए गए |भारत की सेमीकंडक्टर छलांग ने अब उन ताकतों की बेचौनी भी उजागर कर दी है, जिन्हें भारत का तेजी से उभरना रास नहीं आ रहा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की चेतावनी साफ संकेत देती है कि भारत की तरक्की को रोकने वाली चालें तेजी से चली जा रही हैं लेकिन देश को अब दुश्मनों के तौर–तरीके समझ में आ चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तरह भारत को मोबाइल फोन के क्षेत्र में वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनने से रोकने की कोशिशें हुईं, उसी तरह अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी साइबर हमलों, फर्जी खबरों और भौतिक व्यवधानों के जरिए भारत की रफ्तार थामने की कोशिश हो सकती है। लेकिन संदेश सीधा है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और उसकी रणनीतिक बढ़त को चुनौती देने वालों को इस बार भारत पहले से कहीं अधिक सतर्क और तैयार मिलेगा |हम आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस खतरे को समझाने के लिए |चचसम के भारत में पचीवदम निर्माण शुरू होने के शुरुआती दौर का उदाहरण दिया। टीवी समाचार चौनल छक्ज्ट से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि उस समय उत्पादन को बाधित करने के लिए कई तरह के प्रयास किए गए। उनके अनुसार, कुछ स्थानों पर फूड पॉइजनिंग की घटनाएं हुईं, बिजली के तार काटे गए और फर्जी खबरें चलाई गईं। उन्होंने विशेष रूप से त्मनजमते की उस रिपोर्ट का उल्लेख किया जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि विवाहित महिलाओं को उत्पादन इकाइयों में काम करने की अनुमति नहीं थी। वैष्णव ने इन घटनाओं को भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरने से रोकने की कोशिश के रूप में पेश किया।

यही |चचसम प्रकरण अब सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए चेतावनी का आधार बनाया जा रहा है। वैष्णव का कहना है कि भारत के चिप क्षेत्र में प्रवेश को दुनिया ने नोटिस किया है और जैसे–जैसे भारत की क्षमता बढ़ेगी, समर्थन के साथ विरोध भी सामने आएगा। उन्होंने उद्योग को पहले से तैयार रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि साइबर हमले, दुष्प्रचार और भौतिक हमले संभावित जोखिमों में शामिल हैं और भारत को इनसे निपटने के लिए लगातार सतर्क रहना होगा |देखा जाये तो इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री की इस चेतावनी की पृष्ठभूमि में सेमीकंडक्टर उद्योग की रणनीतिक अहमियत समझना जरूरी है। कंप्यूटर, मोबाइल फोन और आध ुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से लेकर रक्षा प्रणालियों तक, लगभग पूरी आधुनिक अर्थव्यवस्था चिप्स पर निर्भर है। अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया लंबे समय से इस क्षेत्र के प्रमुख केंद्र हैं, जबकि चीन तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार ने चिप्स की मांग और रणनीतिक महत्ता दोनों को और बढ़ा दिया है। ऐसे में अमेरिका और चीन सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं सेमीकंडक्टर क्षमता को रणनीतिक आत्मनिर्भरता से जोड़ रही हैं |भारत ने इसी बदलते वैश्विक समीकरण में अपनी जगह बनाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में बड़ा अभियान शुरू किया है। म्ब्प्ब्छ प्दकपं का आयोजन 2022 से किया जा रहा है। 17 से 19 सितंबर 2026 को आयोजित संस्करण में भी 52 देशों की लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया और 56 डवन्; घोषणाएं तथा रणनीतिक पहलें सामने आईं। भौगोलिकसंदभ

मोदी सरकार अब केवल चिप असेंबली और टेस्टिंग तक सीमित रहने की बजाय डिजाइन, उपकरण, सामग्री, फैब्रिकेशन, उन्नत पैकेजिंग, अनुसंधान और प्रतिभा विकास तक पूरी वैल्यू चेन खड़ी करने की कोशिश कर रही है। मउपबवद 2.0 के लिए जुलाई में ध्1,27,500 करोड़ के परिव्यय को मंजूरी दी गई। पहले चरण की योजना में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को ध्1.64 लाख करोड़ से अधिक के निवेश के साथ मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि डपबतवद, झ्ंलदमे और ब्ळ मउप समेत पांच परियोजनाएं वाणिज्यिक उत्पादन में पहुंच चुकी हैं |यही नहीं, निवेश घोषणाओं का पैमाना भी इस बदलाव को रेखांकित करता है। |चचसपमक डंजमतपंसे ने 2035 तक भारत में 5 अरब डॉलर की योजना रखी है, स्ंउ त्मेमंतबी ने ध्10,000 करोड़ के प्रस्तावित निवेश की घोषणा की है, ज्ंजं म्समबजतवदपबे ने धोलेरा में 363 एकड़ के अमदकवत चंता की योजना सामने रखी है और थ्नरपपिसउ ने ध्800 करोड़ के सेमीकंडक्टर उंजमतपंसे चसंदज की घोषणा की है। साथ ही मोदी सरकार ने मउपबवद 2.0 के तहत करीब ध्1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलने की भी जानकारी दी है |यानी भारत के सामने अवसर बड़ा है, लेकिन जोखिम भी उतना ही वास्तविक है। |चचसम के अनुभव का हवाला देते हुए अश्विनी वैष्णव जिस खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं, उसका व्यापक अर्थ यह है कि भारतीय कंपनियों और रणनीतिक तकनीकी परियोजनाओं को केवल उत्पादन क्षमता नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा, आपूर्ति–श्रृंखला सुरक्षा, सूचना–युद्ध और भौतिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी तैयार रहना होगा |बहरहाल, भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश का दरवाजा खोल दिया है। अब असली चुनौती यह है कि इस दरवाजे से आने वाली वैश्विक पूंजी, तकनीक और विनिर्माण क्षमता को कितनी मजबूती से सुरक्षित रखते हुए भारत एक टिकाऊ घरेलू चिप इकोसिस्टम में बदल पाता है।

सम्पादकीय

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0

समय पर क्रेडिट सहायता के जरिए बिजनेस की मजबूती बढ़ाना

ईसीएलजीएस 5.0 बाहरी व्यवधानों से प्रभावित व्यवसायों को लक्षित क्रेडिट गारंटी सहायता प्रदान करती है। नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा क्रियान्वित यह योजना पात्र ऋणदाता संस्थानों को कम क्रेडिट जोखिम के साथ अतिरिक्त कार्यशील पूंजी देने में सक्षम बनाती है। यह सरकार समर्थित गारंटियों के माध्यम से एमएसएमई, पात्र गैर–एमएसएमई व्यवसायों और अनुसूचित यात्री एयरलाइंस का समर्थन करती है। कोविड–19 महामारी के दौरान शुरू किए गए ईसीएलजीएस के पूर्ववर्ती चरणों के आधार पर, यह योजना व्यावसायिक निरंतरता को समर्थन देने के साथ–साथ संस्थागत ऋण तक पहुंच को मजबूत करती है। व्यापक पहुंच, जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल पहुंच तथा बैंकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी ने इसके दायरे का विस्तार किया है। तरलता में सुधार, रोजगार की सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके, ईसीएलजीएस 5.0 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में व्यावसायिक लचीलेपन और सतत आर्थिक विकास में योगदान देती है।

बाहरी आर्थिक झटकों के दौरान उद्यमों को सहायता

भारत भू–राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच आर्थिक विकास को बनाए रखने, आजीविका की सुरक्षा करने और निर्बाध व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के घटनाक्रम आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर सकते हैं, लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ा सकते हैं और विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायों के लिए तरलता (लिक्विडिटी) का दबाव पैदा कर सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने 5 मई 2026 को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 को मंजूरी दी।

यह योजना नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा क्रियान्वित की जाती है। यह पात्र व्यावसायिक उधारकर्ताओं को अतिरिक्त कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) देने के लिए सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएसएमई) को सरकार समर्थित क्रेडिट गारंटी प्रदान करती है। इसका उद्देश्य 2.55 लाख करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त ऋण प्रवाह को सुगम बनाना है।

यह योजना निर्बाध घरेलू उत्पादन और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन करती है। यह बाहरी व्यवधानों के दौरान व्यवसायों को रोजगार बनाए रखने और आर्थिक गतिविधियों को जारी रखने में भी मदद करती है। इसके अलावा, बढ़ी हुई तरलता उद्यमों को अल्पकालिक परिचालन और वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

ईसीएलजीएस का विकास

ईसीएलजीएस को वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत लॉन्च किया गया था। इस योजना का उद्देश्य व्यवसायों को कोविड–19 महामारी के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट से उबरने में मदद करना था। इसने सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100त्न सरकार समर्थित गारंटी के साथ अतिरिक्त ऋण प्रदान करने में सक्षम बनाया। विभिन्न क्षेत्रों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ईसीएलजीएस क्रमिक चरणों के माध्यम से विकसित हुई हैरू

ईसीएलजीएस 1.0 ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), व्यावसायिक उद्यमों, मुद्रा उधारकर्ताओं और व्यक्तिगत व्यावसायिक ऋणों को कवर किया। 29 फरवरी 2020 तक 50 करोड़ रुपये से अनधिक के बकाया ऋण और 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उध ारकर्ता इसके पात्र थे।

ईसीएलजीएस 2.0 ने कामथ समिति द्वारा पहचाने गए 26 संकटग्रस्त क्षेत्रों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र तक अपने दायरे का विस्तार किया। इसमें 29 फरवरी 2020 तक 50 करोड़ रुपये से अधिक और 500 करोड़ रुपये तक के बकाया ऋण तथा 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उधारकर्ताओं को शामिल किया गया।

ईसीएलजीएस 3.0 ने हॉस्पिटैलिटी, यात्रा और पर्यटन, अवकाश एवं खेल तथा नागरिक उड्डयन क्षेत्रों को सहायता प्रदान की। 29 फरवरी 2020 तक ऋण संस्थानों से क्रेडिट सुविधाएं प्राप्त और 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उधारकर्ता इसके पात्र थे।

ईसीएलजीएस 4.0 ने महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें अस्पतालध्नर्सिंग होमध् क्लिनिकध्मेडिकल कॉलेजध् और तरल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि के निर्माता शामिल थे। 31 मार्च 2021 तक क्रेडिट सुविधाएं प्राप्त और 90 दिनों तक के ओवरड्यू वाले संस्थान इसके पात्र थे।

प्रत्येक चरण ने उभरती आर्थिक और क्षेत्र–विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार योजना के दायरे का विस्तार किया। ईसीएलजीएस 1.0 से 4.0 तक, कुल 3.68 लाख करोड़ रुपये की 1.19 करोड़ गारंटियां जारी की गईं। यह योजनाएं 31 मार्च 2023 को समाप्त हो गईं।

ईसीएलजीएस 5.0 की मुख्य विशेषताएं

ईसीएलजीएस 5.0 31 मार्च 2027 तक, या 2.55 लाख करोड़ रुपये की गारंटी जारी होने तक (जो भी पहले हो) प्रभावी है। इसमें एमएसएमई, पात्र गैर–एमएसएमई व्यावसायिक उधारकर्ता और अनुसूचित यात्री एयरलाइन कंपनियां शामिल हैं।

2027 का उत्तर प्रदेश दंगल: समाजवाद की नई राजनीतिक रंगोली या महज अवसरवाद का मुखौटा?

इस पूरे विवाद के केंद्र में सबसे पहला और चौंकाने वाला बदलाव समाजवादी पार्टी के आधिकारिक चुनाव प्रचार रथ पर देखने को मिला है। अखिलेश यादव ने 2027 की चुनावी यात्राओं के लिए जो नया रथ तैयार करवाया है, उसकी मुख्य रंग-योजना में इस बार श्भगवाश और पीत आभा को सबसे प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति को देश के सत्ता मार्ग का सबसे बड़ा प्रवेश द्वार माना जाता है। यहाँ का हर चुनावी समर राजनीतिक सिद्धांतों, सामाजिक इंजीनियरिंग और रणनीतिक पैंतरों की एक नई प्रयोगशाला बन जाता है। इस समय सूबे की सियासत 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट से पूरी तरह गर्म हो चुकी है। इस बार का विमर्श लोक–कल्याणकारी नीतियों या पारंपरिक विकास मॉडलों पर कम, बल्कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के ष्बदलते वैचारिक और प्रतीकात्मक रंगोंष् पर ज्यादा केंद्रित है। कभी लाल टोपी और हरे झंडे के पर्याय रहे अखिलेश यादव के इस नए राजनीतिक कलेवर ने उत्तर प्रदेश के पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई बहस में झोंक दिया है। उनके इस नए तेवर को जहां विपक्षी दल चुनावी अवसरवाद और ष्गिरगिट की तरह रंग बदलनेष् की संज्ञा दे रहे हैं वहीं सपा के रणनीतिकार इसे बहुजन और वंचित समाज को एकजुट करने की एक व्यापक श्हाइब्रिड सोशल इंजीनियरिंगश के रूप में देख रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं हो जाता है कि 2027 के महासमर से पहले अखिलेश यादव का यह नया रूप किसी गहरे वैचारिक परिवर्तन का संकेत है या सत्ता तक पहुँचने का महज एक तात्कालिक और व्यावहारिक शॉर्टकट?इस पूरे विवाद के केंद्र में सबसे पहला और चौंकाने वाला बदलाव समाजवादी पार्टी के आधिकारिक चुनाव प्रचार रथ पर देखने को मिला है। अखिलेश यादव ने 2027 की चुनावी यात्राओं के लिए जो नया रथ तैयार करवाया है, उसकी मुख्य रंग–योजना में इस बार श्भगवाश और पीत आभा को सबसे प्रमुखता से स्थान दिया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में जहाँ सपा का रथ पूरी तरह लाल और हरे रंग के पारंपरिक समाजवादी रंग में रंगा था, वहीं इस बार भाजपा के सबसे मजबूत वैचारिक प्रतीक यानी श्भगवा रंगश का यह सीधा प्रवेश राजनीतिक विश्लेषकों को हैरान कर रहा है। इस रथ के माध्यम से सपा एक बेहद चतुर और बहुस्तरीय संदेश देने की कोशिश कर रही है। एक तरफ रथ पर भगवा पृष्ठभूमि के साथ बाबासाहेब आंबेडकर, डॉ. राम मनोहर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव और चौधरी चरण सिंह जैसे महापुरुषों की तस्वीरें हैं, जो सामाजिक न्याय के समेकित एजेंडे को दर्शाती हैं। दूसरी तरफ, भगवा रंग का उपयोग कर अखिलेश यादव भाजपा के उस आख्यान को कुंद करना चाहते हैं जो सपा को बहुसंख्यक विरोधी या एक वर्ग विशेष की पार्टी के रूप में चित्रित करता रहा है। यह श्सॉफ्ट हिंदुत्व और श्सोशल जस्टिसश का एक ऐसा अनूठा मिश्रण है, जिसके माध यम से सपा सवर्णों (विशेषकर सत्तारूढ़ व्यवस्था से असंतुष्ट ब्राह्मणों और राजपूतों) तथा गैर–यादव पिछड़ों को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि समाजवादी पार्टी अब किसी एक जाति या धर्म की बपौती नहीं है बल्कि वह बहुसंख्यक समाज की सांस्कृतिक भावनाओं का भी उतना ही सम्मान करती है |बात केवल रथ पर चढ़े भगवा रंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समाजवादी कुनबे का यह वैचारिक विस्तार आगे बढ़कर श्नीले रंगश की ओर भी खिंचता हुआ दिखाई दे रहा है। पारंपरिक रूप से समाजवाद का प्रतिनिधित्व करने वाला श्लाल और हराश रंग अब अपनी संपूर्ण एकाधिकारवादी पहचान खोता हुआ दिख रहा है। सपा की छात्र इकाई, श्समाजवादी छात्र सभाश ने हाल ही में अपने आधिकारिक परिधान (ड्रेस कोड) में नीली टी–शर्ट और जींस को शामिल कर लिया है, जिसके ऊपर लाल टोपी पहनी जा रही है। इसके अतिरिक्त, अखिलेश यादव स्वयं कई महत्वपूर्ण राजनीतिक बैठकों और जनसभाओं में नीले रंग का गमछा ओढ़े नजर आ रहे हैं। राजनीति में प्रतीकों का अपना एक अनूठा और गहरा महत्व होता है। नीला रंग दशकों से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की वैचारिक विरासत का मुख्य प्रतीक रहा है। सपा के इस श्नीले प्रेमश को सीधे तौर पर मायावती के कमजोर होते दलित जनाधार में सेंध लगाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में सपा ने गैर–जाटव दलितों और अति–पिछड़ों के एक बड़े हिस्से का समर्थन हासिल कर शानदार सफलता दर्ज की थी। अब अखिलेश यादव उस क्षणिक सफलता को 2027 में एक स्थायी वोट बैंक में तब्दील करना चाहते हैं, जिसके लिए वे पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे को केवल जुबानी जमा–खर्च तक सीमित न रखकर पार्टी के दृश्य रूप (विजुअल अपीयरेंस) में भी ढाल रहे हैं |अखिलेश यादव की इस बदलती बहुरंगी रणनीति ने विपक्ष, विशेषकर बहुजन समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी को हमला करने का एक बड़ा हथियार दे दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सपा के इस कदम को दलितों और पिछड़ों के साथ एक नया छल करार दिया है। उनका तर्क है कि जो समाजवादी पार्टी अपने शासनकाल में दलित महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों और जिलों के नाम बदलने में व्यस्त थी, वह आज केवल चुनाव जीतने के लिए नीले रंग का स्वांग रच रही है और उनका नया श्च्व। रथश उनके अपने लाल रंग से कम और आरएसएस–भाजपा के भगवा रंग में ज्यादा रंगा नजर आ रहा है। मायावती ने इसे ष्गिरगिट की तरह रंग बदलनाष् और वैचारिक दिवालियापन कहा है। दूसरी ओर, भाजपा और उसके सहयोगी दल जैसे सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर इसे सपा का श्चुनावी पाखंडश बता रहे हैं। सत्तापक्ष का आरोप है कि सपा अपनी पुरानी श्मुस्लिम–यादवश (एम–वाई) समीकरण वाली छवि से डरी हुई है और बहुसंख्यक समाज के गुस्से से बचने के लिए अब भगवा और नीले रंग की आड़ ले रही है। विरोधियों का कहना है कि सिर्फ पोशाक और रथ का रंग बदल लेने से कानून–व्यवस्था के मोर्चे पर सपा का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड और अतीत की गलतियाँ जनता के मानस पटल से गायब नहीं हो सकतीं |हालांकि, अगर इस पूरे घटनाक्रम का निष्पक्ष राजनीतिक विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि अखिलेश यादव की यह कवायद महज तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं बल्कि एक सोची–सोची श्लॉन्ग–टर्मश रणनीति का हिस्सा है। मुलायम सिंह यादव के दौर की समाजवादी पार्टी मुख्य रूप से एक क्षेत्रीय और विशिष्ट सामाजिक समीकरण पर आधारित पार्टी थी। अखिलेश यादव भली–भांति जानते हैं कि आज के उत्तर प्रदेश में केवल श्यादव और मुस्लिमश मतों के सहारे भाजपा जैसी साध ान–संपन्न और वैचारिक रूप से मजबूत चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। 2017, 2019 और 2022 की लगातार हारों ने सपा को यह सिखाया है कि सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के लिए उसे अपनी सर्वसमावेशी स्वीकार्यता बढ़ानी होगी। इसलिए, उन्होंने श्75 जिले, 75 घोषणापत्रश जैसी माइक्रो–लेवल प्लानिंग की शुरुआत की है, जो यह दर्शाती है कि सपा अब केंद्रीकृत राजनीति के बजाय जमीनी और स्थानीय मुद्दों को तरजीह दे रही है। श्27 में 27 हजारश का नारा भी इसी सूक्ष्म रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत बूथ स्तर पर भाजपा के पारंपरिक वोटों को काटने और अपने पाले में जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

इस पूरे श्कलर गेमश का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अखिलेश यादव इस प्रक्रिया में अपने कोर वोट बैंक यानी अल्पसंख्यकों को खोने का जोखिम भी उठा रहे हैं या कम से कम ऐसा विपक्ष को लगता है। जब मायावती यह सवाल उठाती हैं कि ष्क्या सपा का मुसलमानों से भरोसा उठ गया है?ष् तो वे वास्तव में मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक असुरक्षा की भावना पैदा करने का प्रयास कर रही होती हैं। लेकिन अखिलेश यादव की इस रणनीति के पीछे एक गहरा गणित है। उन्हें पता है कि उत्तर प्रदेश का अल्पसंख्यक मतदाता वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा को हराने में सक्षम सबसे मजबूत विकल्प के साथ ही जाएगा, और वह विकल्प फिलहाल सपा ही है। इसलिए, मुस्लिम मतों के बिखरने का खतरा कम देखते हुए अखिलेश अपनी पूरी ऊर्जा उस बहुसंख्यक और दलित आबादी को जोड़ने में लगा रहे हैं जो अब तक उनसे दूर रही थी। यह एक बड़ा राजनीतिक जुआ है, जिसमें यदि वे सफल रहे तो भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय का एक नया अध याय लिखा जाएगा, और यदि विफल रहे तो पार्टी अपने पारंपरिक आधार से भी हाथ धो सकती है |देखा जाय तो राजनीति में श्रंगों का बदलनाश कोई नई बात नहीं है। विचारधाराएं समय के साथ अपनी प्रासंगिकता और व्यावहारिकता के अनुसार खुद को ढालती आई हैं। अखिलेश यादव का यह नया अवतार इस बात का प्रमाण है कि वे अब जूनियर यादव या एक विरासत संभालने वाले नेता की छवि से बाहर निकलकर खुद को उत्तर प्रदेश के एक सर्वमान्य और परिपक्व जननेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। उनका यह बहुरंगी दृष्टिकोण भारतीय लोकतंत्र के उस व्यावहारिक रूप को दिखाता है जहाँ चुनाव जीतने के लिए प्रतीकों का विलय और वैचारिक सीमाओं का लचीला होना अनिवार्य शर्त बन जाता है। क्या जनता उनके इस श्नीले–भगवा–लाल–हरेश इंद्रध ानुषी गठबंधन को स्वीकार करेगी या इसे केवल एक चुनावी छलावा मानकर खारिज कर देगी, इसका फैसला 2027 के मतपेटियों से ही होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि अखिलेश यादव के इन बदलते रंगों ने उत्तर प्रदेश के आगामी विध ानसभा चुनाव को बेहद दिलचस्प, पेचीदा और अप्रत्याशित बना दिया है, जिसने विरोधियों को अपनी रणनीतियाँ नए सिरे से तैयार करने पर मजबूर कर दिया है।

ऊपर वाले की अदालत ने दी कोली को सजा

dहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुडा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कंपकँपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर–सवेर इंसाफ करती है। यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हरिद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है। आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से लडकियों और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई। मई 2006 में इस मामले में बड़ा मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर–31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ |लापता युवती के फोन को ट्रेस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंढेर के घर पर नौकर के रूप में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2006 में पंढेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंढेर को गिरफ्तार कर लिया। मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंढेर के घर की दोबारा तलाशी ली और मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए। सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला–फुसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोंटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था।

नोएडा पुलिस ने 19 अलग–अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंढेर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थीं। एक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंढेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंढेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा |इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।

अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंढेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोध ाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

एलयू में एबीवीपी छात्रों ने प्रशासनिक भवन का घेराव कर की जमकर नारेबाजी

लखनऊसंवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में सोमवार को एबीवीपी से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रों ने प्रशासनिक भवन का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान 'सपाई कुलपति इस्तीफा दो' के नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों की चीफ प्रॉक्टर से तीखी नोकझोंक भी हुई। हंगामे को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। चीफ प्रॉक्टर समेत प्रॉक्टोरियल बोर्ड के कई सदस्य

मौके पर मौजूद रहे। छात्रों को प्रशासनिक भवन में जाने से रोकने के लिए सिक्योरिटी गार्ड्स ने चैनल गेट बंद कर दिया। इसके बावजूद छात्र हंगामा करते हुए प्रशासनिक भवन परिसर में दाखिल हो गए। इसके बाद भी उनकी नारेबाजी जारी रही। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल में मेस और पानी की व्यवस्था खराब है। इसके बावजूद हॉस्टल की फीस लगातार बढ़ाई जा रही है। छात्रों ने सुविधाएं बेहतर करने की मांग की है। उत्सव पटेल ने बताया कि हॉस्टल में मेस और पानी की समस्या है। खाने का मेन्यू तो बनता है, लेकिन खाने की क्वालिटी लगातार खराब हो रही है। पानी की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। इससे छात्रों की तबीयत खराब हो रही है। यूनिवर्सिटी में फीस लगातार बढ़ाई जा रही है, लेकिन सुविधाएं नहीं बढ़ाई जा रही हैं। इन्हीं समस्याओं और मांगों को लेकर एबीवीपी प्रदर्शन कर रही है। माता प्रसाद सिंह ने बताया कि वह महमूदाबाद छात्रावास में रहते हैं। हॉस्टल की सुविधाएं खराब हैं। इनमें सुधार की जरूरत है। मेस में जो भी दिक्कतें आ रही हैं, उन्हें कुलपति के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन आगे आकर इन समस्याओं पर कार्रवाई करे तो बेहतर होगा।

मेरठ में सीएम योगी ने किया भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पश्चिमी यूपी का दौरा अहम

लखनऊसंवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर विभिन्न दलों की गतिविधियां तेज होने के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर मेरठ पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने उनका स्वागत फूल देकर किया। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, कला, क्रांति और कलम की भूमि–स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख केंद्र उत्तर प्रदेश का जिला मेरठ/बीजेपी के यशस्वी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन का हार्दिक स्वागत एवं सम्मान करता है। बता दें कि नबीन मेरठ और मंगलवार को सहारनपुर में रहेंगे। भाजपा अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने पर ध्यान दे रही है, जबकि कांग्रेस किसानों के अधिकारों के लिए मार्च की तैयारी कर रही है और समाजवादी पार्टी (सपा) एवं राष्ट्रीय लोक दल (रालोद), सामाजिक समूहों से संपर्क बढ़ा रहे हैं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर नितिन नबीन का मेरठ एवं सहारनपुर में स्वागत किया। उन्होंने लिखा, क्रांति धरा एवं बाबा औघड़नाथ की पावन भूमि मेरठ तथा मां शाकुंभरी देवी की पावन धरती सहारनपुर में आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य नितिन नबीन का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है। चौधरी ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष के इस दौरे से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, नयी ऊर्जा एवं नयी प्रेरणा का संचार होगा और उनके मार्गदर्शन में संगठनात्मक अभियानों को नयी गति मिलने के साथ–साथ संगठन की जड़ें और मजबूत होंगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन पश्चिमी यूपी के दौरे पर हैं। जाट, गुर्जर और अन्य किसान बिरादरियों के प्रभाव वाले इस क्षेत्र में भाजपा का संगठनात्मक ढांचा 14 जिलों और 71 विधानसभा क्षेत्रों तक फैला है। भाजपा के अनुसार, नितिन नबीन का दौरा बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद करने तथा क्षेत्र के राजनीतिक हालात की जानकारी लेने पर केंद्रित है। सोमवार को मेरठ में वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शक्ति केंद्र संयोजकों के साथ बैठक करेंगे। इसके अलावा सांसदों विधायकों पूर्व जनप्रतिनिधियों और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। भाजपा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के मुताबिक, नितिन नबीन इलाके के करीब पांच हजार शक्ति केंद्र संयोजकों से बातचीत करेंगे। इस दौरान बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल, जिला और क्षेत्रीय स्तर पर संगठन की स्थिति, कार्यकर्ताओं की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी ली जाएगी। दौरे के दूसरे दिन नितिन नबीन सहारनपुर में संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे और मां शाकुंभरी देवी मंदिर में दर्शन करेंगे। पार्टी की ओर से इसे संगठनात्मक गतिविधियों के साथ क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के कार्यक्रम के तौर पर बताया गया है। पश्चिमी यूपी में कांग्रेस भी संगठन को सक्रिय करने और ग्रामीण इलाकों में संपर्क बढ़ाने की तैयारी में है। पार्टी ने 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक मुजफ्फरनगर से गौतम बुद्ध नगर तक किसान अधिकार यात्रा निकालने की घोषणा की है। कांग्रेस नेता चौधरी यशपाल सिंह के अनुसार, यात्रा के दौरान किसानों खेतिहर मजदूरों महिला किसानों ग्रामीण युवाओं पशुपालकों और खेती से जुड़े अन्य वर्गों की समस्याओं एवं अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा छह जिलों से होकर गुजरेगी और इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से संपर्क बढ़ाना तथा संगठन को मजबूत करना है। कांग्रेस के प्रांतीय प्रवक्ता अभिमन्यु त्यागी के मुताबिक, यह यात्रा अखिल भारतीय किसान कांग्रेस और उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के पश्चिमी जोन की ओर से आयोजित की जा रही है।

वैश्विक पटल पर चमकेगा गोरखपुर का 'टेराकोटा'

लखनऊसंवाददाता। गोरखपुर की तमाम विशिष्टताओं में से एक माटी का हस्तशिल्प 'टेराकोटा' वैश्विक पटल पर एक बार फिर अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो यूपीआईटीएस के चौथे संस्करण में गोरखपुर के टेराकोटा उत्पादों के चार विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। इस अंतरराष्ट्रीय मंच के माध्यम से स्थानीय टेराकोटा शिल्पियों और कारोबारियों को सीधे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, निर्यातकों और बड़े व्यापारिक घरानों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। एक जिला एक उत्पाद ओडीओपी योजना में शामिल होने के बाद से इस पारंपारिक शिल्प को नया जीवन मिला है, जिससे शिल्पियों और कारोबारियों के जीवन में आर्थिक समृद्धि और सामाजिक सम्मान का नया दौर शुरू हुआ है।उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार गोरखपुर के टेराकोटा के चार स्टॉल आकर्षण का प्रमुख केंद्र होंगे। ट्रेड शो में आने वाले विदेशी प्रतिनिधियों और बड़े कॉरपोरेट खरीदारों के सामने इन उत्पादों की सीधी ब्रांडिंग से निर्यात की संभावनाओं के नए द्वार खुलने की भी पूरी उम्मीद है। उद्योग विभाग ने जिन शिल्पियों और कारोबारियों को यूपीआईटीएस में स्टाल लगाने के लिए चयनित किया है, उनमें मेसर्स अतरंगी कलाकारी के बैनर तले टेराकोटा ज्वेलरी व होम डेकोरेशन प्रोडक्ट बनाने वाली दीपिका सिंह, रीतिका कृतिका क्रिएशन से सुनीता मौर्या, गिफ्ट सिटी से कमलेश तिवारी और मेसर्स रोशनी एक उम्मीद ट्रस्ट की कोमल मद्देशिया शामिल हैं।उद्योग उपायुक्त उज्ज्वल सिंह का कहना है कि इंटरनेशनल ट्रेड शो में लगने वाले टेराकोटा के स्टाल न केवल गोरखपुर के शिल्पियों की मेहनत और हुनर का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि यह साबित करेंगे कि यदि पारंपरिक हुनर को सही नीति, तकनीक और बाजार का सहारा मिले तो मिट्टी भी सोना उगल सकती है। यूपीआईटीएस में मिलने वाला अवसर गोरखपुर के टेराकोटा के निर्यात की दिशा मे महत्वपूर्ण साबित होगा।भटहट ब्लॉक के औरंगाबाद गांव को टेराकोटा शिल्प का मूल गांव माना जाता है। औरंगाबाद और इसके आसपास के गांवों में पीढ़ियों से टेराकोटा का काम किया जाता रहा है। वर्ष 2018 में मुख्यमंत्री ने एक जिला एक उत्पाद ओडीओपी योजना शुरू की और टेराकोटा को गोरखपुर का ओडीओपी उत्पाद घोषित किया गया। इसके तहत शिल्पकारों को विद्युत चालित चाक, पगमिल, अनुदान पर ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ी तो दूसरी तरफ योगी सरकार ने बड़े–बड़े मंचों से टेराकोटा की ब्रांडिंग की। परिणामस्वरूप इसकी मांग में लगातार वृद्धि होती गई। कारोबार में वृद्धि होने से टेराकोटा शिल्पकारों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। कच्ची झोपड़ियों में काम करने वाले कई शिल्पियों ने पक्के वर्कशॉप और पक्के मकान बना लिए हैं। नई पीढ़ी, जो कभी मिट्टी के इस काम से दूरी बना रही थी, अब आधुनिक डिजाइनिंग सीखकर अपने पुश्तैनी कारोबार में सक्रिय रूप से हाथ बंटा रही है।

साथी छात्रा की मौत के बाद केजीएमयू नर्सिंग छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊसंवाददाता। राजधानी के केजीएमयू में सोमवार सुबह नर्सिंग छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। साथी छात्रा की मौत के बाद बड़ी संख्या में नर्सिंग छात्र विभाग में जुट गए और घेराव कर धरने पर बैठ गए। इस दौरान छात्र 'वी वांट जस्टिस' के नारे लगा रहे हैं। मौके पर डीन नर्सिंग समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। अधिकारी छात्रों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन छात्रों में आक्रोश बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुताबिक, नर्सिंग छात्रा दिव्यांशी यादव को डेंगू हुआ था। छात्रों का आरोप है कि बीमारी के दौरान उसे छुट्टी नहीं दी गई। इसके बाद इलाज के लिए उसे वाराणसी ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रदर्शन कर रहे नर्सिंग छात्र के मुताबिक दिव्यांशी यादव नाम की 2025 बैच की छात्रा की कई दिनों से तबीयत खराब थी।

छह देशों की भागीदारी से मजबूत होगा अंतरराष्ट्रीय कारोबारी कनेक्ट

वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, आस्ट्रिया और बेलारूस होंगे पार्टनर कंट्री

लखनऊसंवाददाता। यूपी केवल देश के बड़े बाजार के रूप में ही नहीं बल्कि वैश्विक व्यापार, निवेश और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निवेश आकर्षित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए प्रयासों की झलक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो यूपीआईटीएस–2026 में भी देखने को मिलेगी। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होने वाले यूपीआईटीएस–2026 में वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। छह देशों की भागीदारी वाला यह आयोजन यूपी के लिए 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा को मजबूत करने का अवसर बनेगा। पार्टनर देशों के प्रतिनिधि अपने उत्पाद व तकनीक प्रदर्शित करने के साथ ही प्रदेश के उद्यमियों, निवेशकों और कारोबारियों से सीधे संवाद करेंगे। इससे व्यापारिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और नए कारोबारी अवसरों के लिए संभावनाएं बनेंगी। यूपीआईटीएस–2026 के पार्टनर कंट्री प्लान के अनुसार, वियतनाम के लिए 54 वर्गमीटर, जापान के लिए 54 वर्गमीटर, सिंगापुर और रूस के लिए 36–36 वर्गमीटर तथा ऑस्ट्रिया के लिए 54 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र निर्धारित किया गया है। इन पांच देशों के लिए प्रस्तावित सूची में कुल 36 प्रदर्शक और 100 खरीदार शामिल हैं। बेलारूस को भी पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है और उसके लिए मुख्यमंत्री के साथ संवाद तथा बी2बी गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इस भागीदारी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यहां गतिविधियां केवल उत्पाद प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेंगी। बी2बी बैठकें, कंट्री सेशंस, राउंडटेबल और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ संवाद के जरिए कारोबारी संबंधों को आगे बढ़ाने की रूपरेखा तैयार की गई है।यूपीआईटीएस–2026 के पार्टनर कंट्री कार्यक्रम में विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संवाद के विशेष सत्र प्रस्तावित हैं। 25 सितंबर को अलग–अलग देशों के प्रतिनिधियों के लिए संवाद सत्र आयोजित किए जाने हैं। वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों में राजदूत, हाई कमिश्नर, ट्रेड कमिश्नर, आर्थिक एवं वाणिज्यिक प्रतिनिधि तथा उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें भारत में जापान के राजदूत एच.ई. केइची ओनो, भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर एच.ई. साइमन वोंग, रूस के ट्रेड कमिश्नर आंद्रे सोबोलेव और ऑस्ट्रिया के ट्रेड कमिश्नर एवं कमर्शियल काउंसलर हांस–जोर्ग होर्टनाग्ल समेत अन्य प्रतिनिधियों का उल्लेख किया गया है। वियतनाम की भागीदारी में एविएशन, पर्यटन, कृषि, फार्मास्युटिकल एवं कॉस्मेटिक उत्पाद, खाद्य, टेक्सटाइल, गारमेंट, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इसमें वियतनाम एयरलाइंस, पर्यटन क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं हेल्थ से जुड़े उद्यमों तथा अन्य कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है। इससे उत्तर प्रदेश के उद्यमियों को एविएशन, पर्यटन, फार्मा, कृषि आधारित उद्योग, टेक्सटाइल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय कारोबार के संभावित साझेदारों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा।जापान के पवेलियन में तकनीक और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े उत्पादों की व्यापक प्रस्तुति प्रस्तावित है। वाकॉम इंडिया, एयर एंड वॉटर इंडिया, आईटीओ एन, सुशी एंड मोर, कीटो इंडिया और टाइयो इंडिया जैसी कंपनियां सिग्नेचर डिवाइस, औद्योगिक गैस, जापानी चाय, जापानी खाद्य, लिफ्टिंग इक्विपमेंट और मशीनरी स्पेयर पार्ट्स जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगी। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन यानी जेट्रो की ओर से निवेश और प्रमोशन नीतियों से संबंधित जानकारी भी साझा की जाएगी। सिंगापुर की कंपनियां वीडियो सर्विलांस सॉल्यूशन, सोल्डरिंग उपकरण और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े उत्पादों के साथ भाग लेंगी। रूस से पेट्रोकेमिकल्स, औद्योगिक गैस, प्रयोगशाला उपकरण, डायग्नोस्टिक किट, ऑक्सीजन सॉल्यूशन और भर्ती एवं स्टाफिंग सेवाओं से जुड़ी कंपनियां प्रस्तावित हैं। वहीं ऑस्ट्रिया की भागीदारी में फोर्कलिफ्ट और वर्कशॉप इक्विपमेंट, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन, डेकोरेटिव एवं लाइटिंग उत्पाद तथा मोबिलिटी और ट्रांसपोर्ट सिस्टम जैसे क्षेत्रों की कंपनियां शामिल होंगी।

विधानसभा चुनाव से पहले मायावती का मुस्लिम समाज को लेकर बड़ा दावा, सपा के पीडीए रथ' को लेकर अखिलेश पर साधा निशाना

लखनऊसंवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया है कि मुस्लिम समाज का रुझान अब बसपा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने इसकी तुलना ब्राह्मण समाज के बीच बसपा के प्रति बढ़े रुझान से की। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए सपा के 'पीडीए' और उसके प्रचारित 'पीडीए रथ' को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा का यह रथ पार्टी के पारंपरिक लाल रंग की तुलना में आरएसएस–भाजपा के भगवा रंग में अधिक दिखाई दे रहा है। मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए सपा प्रमुख का प्रचारित 'पीडीए रथ' लाल रंग से कम और भगवा रंग से अधिक रंगा हुआ नजर आ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह बदलाव चुनावी हितों को ध्यान में रखकर किया गया है या फिर सपा प्रमुख का मुस्लिम मतदाताओं से समर्थन मिलने का भरोसा पहले जैसा नहीं रहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा चुनावी स्वार्थ के चलते अपनी राजनीतिक पहचान और मुद्दों में बदलाव कर रही है। ये बातें मायावती के राजनीतिक आरोप और दावे हैं। बसपा प्रमुख ने दावा किया कि पिछले कई चुनावों में मुस्लिम समाज ने सपा को एकतरफा समर्थन दिया, लेकिन इसके बावजूद उत्तर प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार बनने से सपा उसे रोक नहीं सकी। मायावती ने इसी आधार पर कहा कि मुस्लिम समाज अब सपा को बार–बार वोट देने को लेकर विचार कर रहा है और उसका रुख बसपा की तरफ बदल रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के इस कथित बदलाव की तुलना उन्होंने ब्राह्मण समाज के बीच बसपा के प्रति बढ़े रुझान से की है। इस दावे को स्वतंत्र रूप से मतदाता–स्तर के व्यापक आंकड़े के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है। मायावती ने सपा के 'पीडीए' नारे की व्याख्या पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी परिस्थितियों के अनुसार सपा ने 'पीडी' को कभी 'पिछड़ा, दलित' तो कभी 'पंडित' के रूप में पेश किया। उन्होंने अखिलेश यादव की ओर इशारा करते हुए यह भी आरोप लगाया कि खुद को आंबेडकरवादी दिखाने के लिए बसपा के नीले रंग के कपड़े पहनकर तस्वीरें खिंचवाई गईं लेकिन जनता ने इसे स्वीकार नहीं किया। यह भी मायावती द्वारा लगाया गया राजनीतिक आरोप है। मायावती ने अपने बयान में बसपा को आंबेडकरवादी विचारधारा पर चलने वाली पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम करती है और सभी लोगों के लिए रोटी, रोजगार, आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन की पक्षधर है। उन्होंने कहा कि सर्वसमाज के हित और कल्याण के लिए उत्तर प्रदेश में बसपा की जरूरत है।

फुटपाथ एवं पार्किंग के स्थान पर बड़े-बड़े लोहे के अंडाकार जाल लगाए जाने के विरोध व्यापारियों का प्रदर्शन

लखनऊसंवाददाता। सोमवार, गोल मार्केट, महानगर में सुंदरीकरण के नाम पर व्यापारियों के प्रतिष्ठानों के ठीक सामने फुटपाथ एवं पार्किंग के स्थान पर 10 फीट से अधिक ऊंचे अंडाकार लोहे के जाल लगाकर फुटपाथ एवं पार्किंग की जगह पर दुकानों का मार्ग अवरूद्ध किए जाने से गोल मार्केट ,महानगर के व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। ज्ञातव्य है कि जुलाई माह में यह जाल लगाया जा रहे थे तब पूर्व में जुलाई माह में इसी विषय को लेकर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, गोल मार्केट के व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमण्डल प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल से मिला था महापौर ने संबंधित अधिकारियों को उस समय काम रोकने के आदेश दिए थे तथा भविष्य में उस स्थान पर अंडाकार लोहे का जाल न लगाए जाने का आश्वासन दिया था। किंतु आज सोमवार सुबह फिर वेल्डिंग का कार्य प्रारंभ करके जाल लगाने का काम शुरू हो जाने से व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया तथा गोल मार्केट के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता को जानकारी दी जानकारी पाते ही संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता संगठन के पदाधिकारियो के साथ मौके पर पहुंचे। महानगर, गोल मार्केट के व्यापारियों ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में महानगर गोल मार्केट मे विरोध प्रदर्शन किया व्यापारियों ने काम नहीं रोके जाने की दशा में लगातार आंदोलन की चेतावनी दी। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों की दुकानों के ठीक सामने बड़े–बड़े लोहे के 10 फीट से अधिक ऊंचाई वाले अंडाकार जाल लगाना कतई उचित नहीं है जानकारी देते हुए बताया कि यह अंडाकार लोहे के जाल 10 फीट से अधिक ऊंचे हैं जिससे दुकानों का दिखाव बिल्कुल बंद हो जाएगा तथा व्यापारियों एवं आगंतुकों को अपनी दुकानों तक आने–जाने में बड़ी समस्या आएगी तथा फुटपाथ पर चलने वालों एवं आगंतुकों को आवागमन में बड़ी समस्या आ जाएगी। उन्होंने कहा एक तरफ नगर निगम व्यापारियों द्वारा हाउस टैक्स न जमा किए जाने पर सुबह–सुबह ही दुकानों को सील करने का काम करता है दूसरी तरफ व्यापारियों को व्यापार करने तथा कमाने के अवसर भी छीन रहा है यह कतई उचित नहीं है उन्होंने कहा करोड़ों रुपए की व्यापारियों की दुकानें हैं और ऐसे में उनके दुकानों के सामने का मार्ग अवरुद्ध किया जाना किसी भी प्रकार से औचित्य पूर्ण नहीं है।प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा इस प्रकार की मनमानी को कतई स्वीकार नहीं किया जाएग। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा यदि व्यापारियों के साथ अन्याय होगा तोसंगठन बर्दाश्त नहीं करेगा। विरोध प्रदर्शन में गोल मार्केट महानगर आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष सोमनाथ कपूर ,वरिष्ठ महामंत्री रवि गुप्ता ,महामंत्री कृष शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सी एन चौधरी, कोषाध्यक्ष निखिल शर्मा, बैजनाथ चौरसिया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश कोषाध्यक्ष अध्यक्ष मोहम्मद अफजल, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजहर अहमद खान ,मसीह उजमा गांधी ,योगेंद्र वर्मा शाहिद

आजम, अतीक, मुख्तार. यही चलाते थे सरकार

यूपी में लगे ऐसे पोस्टर, सियासत में आया भूचाल

लखनऊसंवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर पूरी तरह से गरमा गई है। जैसे–जैसे सूबे में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग और हमलों का दौर भी बेहद तेज होता जा रहा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के अलग–अलग शहरों में समाजवादी पार्टी के खिलाफ अचानक रहस्यमयी पोस्टर लग गए, जिसने पूरे राज्य की राजनीति में तहलका मचा दिया है। इन पोस्टरों में सीधे तौर पर अखिलेश यादव के पुराने कार्यकाल और उस दौरान के हालातों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। लखनऊ समेत उन्नाव, इटावा, सीतापुर, बरेली, मेरठ, आजमगढ़ और गाजीपुर जैसे तमाम बड़े जिलों में समाजवादी पार्टी के खिलाफ ये पोस्टर चर्चा का विषय बने हैं। इन पोस्टरों पर माफियाओं की तस्वीरें छापी गई हैं। पोस्टर पर बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा गया है 'आजम, अतीक और मुख्तार, यही चलाते थे सरकार।' इन पोस्टरों के जरिए यह दिखाने की कोशिश की गई है कि उस दौर में सरकार और अपराधियों के बीच किस तरह के ताल्लुक हुआ करते थे। लखनऊ में ही अकेले दर्जन भर से ज्यादा जगहों पर ये पोस्टर चस्पा हैं। इन पोस्टरों में सपा शासनकाल के कथित माफियाओं और अपराधियों की पूरी सूची ही जारी कर दी गई है। अवध से लेकर पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी तक के कई कुख्यात और चर्चित नामों को इन पोस्टरों में प्रमुखता से जगह दी गई है। पोस्टरों पर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' एक जिला, एक माफिया का नारा लिखकर क्षेत्रवार माफियाओं के नाम उजागर किए गए हैं। इनमें अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान, याकूब कुरैशी और अनिल दुजाना जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। पोस्टर में यह तक आरोप लगाया गया है कि माफिया लैंड क्रूजर गाड़ियों में बैठकर अपहरण जैसी वारदातों को अंजाम दिया करते थे। अवध क्षेत्र में अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी के अलावा गुलशन यादव, मित्रसेन यादव और रिजवान जहीर के नाम लिखे गए हैं। पोस्टर में आरोप लगाया गया है कि सपा राज में आजम खान के यहां भैंस चोरी का मामला चर्चा में रहा, जबकि अखिलेश के करीबी नवाब सिंह पर रेप का आरोप लगा था। दीपनारायण यादव और आगजनी मामले में दोषी इरफान सोलंकी का भी जिक्र है।

बान्डेड डाक्टरों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेरा

लखनऊसंवाददाता। राजधनी में सोमवार को बॉन्डेड डॉक्टरों ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास का घेराव किया। डॉक्टरों ने वेतन में असमानता के विरोध में प्रदर्शन किया। डॉक्टरों ने कहा कि 2 सितंबर को डिप्टी सीएम ने बारिश में भीगते हुए उनकी मांगें पूरी करने का वादा किया था। इसके 19 दिन बाद भी मांगें पूरी नहीं हुई हैं। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि वे प्रदेश के अलग–अलग जिलों से बार–बार लखनऊ आ रहे हैं। आज भी डिप्टी सीएम को उनका वादा याद दिलाने आए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सभी के पास समान डठठै डिग्री और बॉन्ड है। सेवा भी समान है, लेकिन वेतन अलग–अलग दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के सीएचसी, पीएचसी और दूसरे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में तैनात डॉक्टरों को करीब 50 से 55 हजार रुपए महीने मानदेय मिल रहा है। वहीं, सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में बॉन्ड सेवा कर रहे डॉक्टरों को करीब 1.10 लाख रुपए महीने तक भुगतान किया जा रहा है। बॉन्ड सेवा के तहत डॉक्टरों को दो साल की अनिवार्य सरकारी सेवा करनी होती है या 10 लाख रुपए के बॉन्ड की शर्त पूरी करनी पड़ती है। डॉक्टरों ने समान वेतन लागू करने के साथ लंबित एरियर के भुगतान की भी मांग की। डॉक्टर अजय सोलंकी ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश में मेडिकल ऑफिसर के रूप में काम कर रहे हैं। 2 सितंबर को गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन के दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक उनसे मिलने पहुंचे थे। डिप्टी सीएम ने कहा था कि 'आप हमारे बच्चे हैं, आपकी मांग जरूर पूरी होगी।' उन्होंने 3 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक शासनादेश जारी होने का आश्वासन दिया था। डॉक्टर अजय ने कहा कि डिप्टी सीएम का वादा 19 दिन बाद भी पूरा नहीं हुआ है। डॉक्टर लगातार अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर पिछले 14 महीने से अपने अधिकार के लिए भटक रहे हैं। डिप्टी सीएम के आश्वासन के बावजूद उन्हें अब तक उनका अधिकार नहीं मिला है।

संभल के हार्न-बोन क्राफ्ट और सोनपापड़ी का दुनिया में बजेगा डंका

लखनऊसंवाददाता। प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और स्थानीय दस्तकारी को सात समंदर पार पहचान दिलाने की दिशा में प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी आयोजन श्यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शोश 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय महामंच पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संभल जनपद के हुनर का जलवा बिखरेगा। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी श्एक जनपद–एक उत्पादश, श्एक जनपद–एक व्यंजनश तथा एमएसएमई नीति के तहत संभल की सात प्रमुख औद्योगिक इकाइयों व दस्तकारों को विभिन्न हॉल में स्टॉल आवंटित कर दिए गए हैं। 1.10 लाख वर्ग मीटर से अधिक के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में 2,400 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जिसमें संभल के विश्वविख्यात श्हॉर्न एवं बोन क्राफ्टश और लजीज सोनपापड़ी का स्वाद अंतरराष्ट्रीय खरीदारों बायर्स के सामने पेश किया जाएगा।संभल का हॉर्न एवं बोन क्राफ्ट वैश्विक स्तर पर अपनी अनूठी पहचान रखता है। यूपीआईटीएस–2026 के हॉल नंबर 9 ओडीओपी पवेलियन में संभल के तीन प्रमुख दस्तकारों को स्थान दिया गया है। मोहम्मद आरिफ को स्टॉल नंबर एच9–116 और शाह आलम को स्टॉल नंबर एच9–272 आवंटित किया गया है जो हॉर्न व बोन से बने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। वहीं अमेजिंग क्राफ्ट होम के विकास जैन को स्टॉल नंबर एच9–3126, 127, 128 और 129 यानी चार स्टॉलों का बड़ा स्पेस मिला है जहां वे काष्ठ शिल्प वुडन हैंडीक्राफ्ट्स का भव्य प्रदर्शन करेंगे।श्एक जिला, एक व्यंजनश योजना के तहत हॉल नंबर 16 में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए संभल के दक्ष स्वीट सेंटर के संचालक राजेंद्र कुमार को स्थान दिया गया है।

कलर बेल्ट प्रमोशन में ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने दिखाया दम

फतेहपुर। खिलाड़ियों में खेल भावना विकसित करने व उनकी खेल दक्षता को निखारने के उद्देश्य से ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर की ओर से बचपन स्कूल में कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा की मौजूदगी में आयोजित परीक्षा में ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने विभिन्न तकनीकों और कौशल का प्रदर्शन करते हुए अपनी दक्षता साबित की।बेल्ट प्रमोशन टेस्ट में खिलाड़ियों ने निर्धारित मानकों के अनुसार प्रदर्शन किया। येलो बेल्ट प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में रुद्र सिंह, आकांक्षा देवी, अपेक्षा, अवयान, दीक्षित, ओजस अवस्थी, विवान दीक्षित, वेदिका अग्रहरि, कनिका श्रीवास्तव, प्रियांश श्रीवास्तव, आदित्य सिंह, ऋतिक वर्मा, दिव्यांशी कश्यप और अरना अग्रहरी शामिल रहे। ग्रीन बेल्ट प्राप्त करने वालों में अथर्व सिंह, अनुष्का वर्मा, इर्टिफा अलमास, सूर्य साहू, सक्षम राजवंशी, अथर्व अग्रहरि, मयंक मनी अग्रहरि, शानवी सिंह, सात्विक सिंह, स्वस्तिका सिंह, अश्वनी कुमार, अंश श्रीवास्तव, अनन्या, आयुषी, कुनाल साहू, सिद्धार्थ सिंह और ऋषिमा सिंह ने सफलता हासिल की। इसी तरह ब्लू बेल्ट प्राप्त करने वालों में अर्णव मौर्या, आरव मौर्या, प्रिया देवी, अंशिका यादव, आयुष्मान मौर्या, वसुंधरा, मणिकर्णिका सिंह, कृष्ण गुप्ता और आरव अग्रहरि शामिल रहे। रेड बेल्ट के लिए आराध्या सिंह, ईशान त्रिपाठी, ईशानी त्रिपाठी और अनुज साहू ने बेल्ट प्रमोशन टेस्ट में हिस्सा लेकर सफलता प्राप्त की। अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने सभी सफल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियमित अभ्यास ही खिलाड़ी को सशक्त व दक्ष बनाता है। खिलाड़ियों को लगातार मेहनत करते हुए अपनी तकनीक और फिटनेस में सुधार करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में एसोसिएशन के सचिव राजकुमार, कोच भारत वर्मा, रंजना सिंह समेत खिलाड़ियों के अभिभावक मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजस्थान में आधुनिक खेती की तकनीक सीखेंगे जिले के 48 किसान

- डीएम, सीडीओ व ब्लाक प्रमुख ने हरी झंडी दिखाकर कृषक दल को किया रवाना

फतेहपुर। कृषि विभाग के तत्वावधान में प्रज्ञा ग्रामोत्थान सेवा समिति की ओर से आत्मा सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के तहत जनपद के 48 किसानों के शैक्षणिक दल को अंतरराज्यीय कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण के लिए सोमवार को रवाना किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना एवं हसवा ब्लॉक प्रमुख विकास पासवान ने हरी झंडी दिखाकर दल को राजस्थान के लिए रवाना किया।जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने किसानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राजस्थान में भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर, श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जयपुर व राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा जयपुर में प्रशिक्षण एवं भ्रमण के दौरान किसान वैज्ञानिक और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने किसानों से प्रशिक्षण में प्राप्त तकनीकों को अपने खेतों में अपनाने के साथ ही अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। सीडीओ ने कहा कि कृषक दल कृषि संस्थानों में फसल विविधीकरण, उन्नत कृषि तकनीक, प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करेगा। उप कृषि निदेशक रामजतन मिश्र ने बताया कि आत्मा योजना के तहत आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य किसानों का ज्ञानवर्धन और क्षमता निर्माण करना है। किसान भरतपुर स्थित अनुसंधान केंद्र से रबी की प्रमुख तिलहनी फसल सरसों की उन्नतिशील प्रजातियों के बीज की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं जयपुर में औद्यानिक फसलों से संबंधित शोध संस्थानों में सब्जी एवं बागवानी की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी लिया जाएगा। हसवा ब्लॉक प्रमुख विकास पासवान ने कहा कि ऐसे कृषक भ्रमण से किसानों को खेती की नवीनतम तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है, जिससे कृषि उत्पादन और आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है। भ्रमण दल का संचालन कर रहे संस्था सचिव उमेश चंद्र शुक्ल ने बताया कि किसानों को कृषि तकनीक के साथ खाद्य प्रसंस्करण, पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन तथा फसलों की उन्नतिशील प्रजातियों के बारे में भी जानकारी दिलाई जाएगी। भ्रमण दल में बजरंग सिंह, रणवीर सिंह, ज्ञान सिंह, रमेश त्रिवेदी, बाबूराम मौर्य, अर्जुन सिंह, वीरेंद्र सिंह, शिवऔतार मौर्य और शिवप्रताप सहित अन्य किसान शामिल हैं।

संगठन में मेहनत करने वालों को ही मिलेगा टिकट:जगदीश

- कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, संगठन मजबूती पर मंथन

फतेहपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी जगदीश चंद्र जांगिड़ के जनपद आगमन पर कांग्रेसियों ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन को और मजबूत बनाने पर मंथन किया।बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जगदीश चंद्र जांगिड़ ने कहा कि संगठन के लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए ऐसे लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिन्होंने संगठन के लिए मेहनत की हो और समाज में जिनकी छवि निर्विवाद हो। पत्रकारों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपनी तैयारी कर रही है। आगे पार्टी हाईकमान की ओर से जो निर्देश प्राप्त होंगे, उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा। बैठक में शेख एजाज अहमद, कलीम उल्ला सिद्दीकी, शिवाकांत तिवारी, माधुरी रावत, शोभा दुबे, ओम प्रकाश कोरी, अरुण जायसवाल, राजू लोधी और इशरत खान समेत अन्य वक्ताओं ने संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे। शहर अध्यक्ष मो. आरिफ गुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने जिले में जनता से जुड़े हर मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है और संघर्ष में पार्टी कार्यकर्ता लगातार सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना भी है। जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन की उपेक्षा कर आगे बढ़ने का प्रयास करने वालों का संगठन स्तर पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बैठक में पार्टी प्रवक्ता इंजीनियर देवी प्रकाश दुबे, निजामुद्दीन, बृजेश मिश्रा, सैयद शहाब अली, आरिफ खान, रेखा पासवान, बशीर अहमद, नजमी कमर, चौधरी मोइन राइन, शकीला बानो, वकील खान, इलियास अहमद, उस्मान बेग, मो. रमजान, शादाब अहमद, धर्मेंद्र सिंह, राजन तिवारी, आकाश शुक्ला, नवनीत तिवारी, अजय बच्चा, कौशल कुमार शुक्ला, सलीम शेख, इमरान सिद्दीकी, अब्दुल रज्जाक, हम्माद हुसैन आदि मौजूद रहे।

शंभूगंज व हलियापुर में खुलेंगे नए गन्ना क्रय केंद्र, कुड़वार की बढ़ेगी क्षमता

सुलतानपुर। गन्ना किसानों को बड़ी राहत देते हुए गन्ना विकास समिति सुलतानपुर–अमेठी की सामान्य निकाय बैठक में शंभूगंज और हलियापुर में नए क्रय केंद्र खोलने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके साथ ही कुड़वार क्रय केंद्र के कांटे की क्षमता बढ़ाने और समिति कार्यालय पर एक कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था किए जाने पर भी सहमति बनी। सोमवार को रुद्रनगर स्थित समिति र्यालय परिसर में किसान सट्टा प्रदर्शन मेला, क्रय केंद्रों की स्थापना और सामान्य निकाय की बैठक हुई। इसका शुभारंभ भाजपा जिला प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, समिति चेयरमैन शिवपाल सिंह गांधी और विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण तिवारी ने फीता काटकर किया। बैठक में सभी क्रय केंद्रों पर किसानों के बैठने के लिए कुर्सी, पेयजल और सर्दी के दौरान अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। डायरेक्टर और डेलिगेट्स ने किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सुझाव रखे। किसान सट्टा प्रदर्शन मेले में किसानों को अपने सट्टे और पर्ची का अवलोकन करने तथा त्रुटि होने पर संशोधन कराने का अवसर दिया गया।समिति ने बताया कि सुलतानपुर–अमेठी के किसान 28 अक्टूबर तक सुबह 10 से शाम पांच बजे तक रुद्रनगर स्थित गन्ना विकास समिति कार्यालय में निःशुल्क सट्टा एवं पर्ची का अवलोकन और संशोधन करा सकते हैं। मुख्य अतिथि विजय सिंह रघुवंशी ने कहा कि किसान अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ सुचारु खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। चेयरमैन शिवपाल सिंह गांधी ने कहा कि समिति का उद्देश्य किसानों की समस्याओं का समाधान कर गन्ना खरीद व्यवस्था को सुविधाजनक बनाना है।उन्होंने आए हुए सभी डायरेक्टर, डेलिगेट्स, अधिकारियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया।संचालन समिति सचिव तुलसी राम यादव ने किया। बैठक में ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक अशोक वर्मा, हैदरगढ़ चीनी मिल के एसएन पांडेय, डायरेक्टर काली सहाय पाठक, अजय सिंह, रमेश कुमार सिंह, अशोक वर्मा एडवोकेट, शिवशंकर वर्मा, तारा सिंह, ओंकार नाथ तिवारी सहित समिति के पदाधिकारी, कर्मचारी, डायरेक्टर–डेलिगेट्स और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

डीएम ने लेबर अड्डे का किया निरीक्षण

लेबर अड्डे पहुचे डीएम, श्रमिकों से जानी समस्याएं

सुलतानपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान थीम को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने दरियापुर ओवरब्रिज के नीचे स्थित लेबर अड्डे का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद श्रमिकों से बातचीत कर रोजगार की स्थिति और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लेबर अड्डे पर आने वाले श्रमिकों का पंजीकरण कराया जाए और पात्र श्रमिकों को श्रम विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा गया। प्रशासन ने पुराने श्रमिक स्थल को ध्यान में रखते हुए दरियापुर लेबर अड्डे का दोबारा संचालन शुरू कराया है। इसका उद्देश्य काम की तलाश में आने वाले श्रमिकों को एक स्थान पर रोजगार संबंधी जानकारी के साथ सरकारी सुविधाओं से जोड़ना है। श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर यहां मेडिकल कैंप आयोजित करने की भी तैयारी है। प्रस्तावित शिविर में एक्स–रे, मोबाइल एंबुलेंस और मोबाइल मेडिकल यूनिट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। जिला प्रशासन के मुताबिक लेबर अड्डे को भविष्य में स्थायी श्रमिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां श्रमिकों को रोजगार, पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं से संबंधित सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में बहस शुरू, 29 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर। एमपी–एमएलए की विशेष अदालत में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मुकदमे में सोमवार को बहस शुरू हुई। मामला वर्ष 2018 में बेंगलुरु में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है।विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में दोपहर करीब तीन बजे सुनवाई शुरू हुई, जो लगभग 50 मिनट तक चली। परिवादी एवं भाजपा नेता विजय मिश्र की ओर से अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बहस शुरू की, लेकिन समयाभाव के कारण वह अपनी दलील पूरी नहीं कर सके। अदालत ने शेष बहस के लिए 29 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि पहले परिवादी पक्ष की बहस पूरी होगी। इसके बाद राहुल गांधी की ओर से अदालत में अपना पक्ष रखा जाएगा।2018 में दाखिल हुई थी शिकायतमामले के अनुसार, राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में बेंगलुरु में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। इसी को लेकर भाजपा नेता विजय मिश्र ने 4 अगस्त 2018 को सुलतानपुर की अदालत में मानहानि की शिकायत दाखिल की थी।मामले में अदालत ने 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को पेश होने के लिए समन जारी किया था। इसके बाद राहुल गांधी अदालत में पेश हुए और जमानत प्राप्त की थी।वॉयस सैंपल की मांग को भी नहीं मिली मंजूरीपरिवादी विजय मिश्र की ओर से राहुल गांधी के वॉयस सैंपल का मिलान कराने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र भी दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दाखिल निगरानी अर्जी भी सेशन कोर्ट से खारिज हो गई। बाद में वॉयस सैंपल संबंधी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका भी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी।

गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित, 28 सितंबर तक भेजे प्रस्ताव

आजमगढ़ 21 सितम्बर(आर एन एस)उत्तर प्रदेश शासन, राष्ट्रीय एकीकरण अनुभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी पत्र के क्रम में वर्ष 2026–27 के लिए गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार हेतु प्रस्तावध्आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा मानवाधिकारों की रा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट एवं पूर्णतः समर्पित रूप से कार्य करने वाले प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से गुरु गोविन्द सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार स्वरूप रू01 लाख की नगद धनराशि एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है।पुरस्कार की अर्हताएं निम्नवत निर्धारित की गई हैंरू–भारत का मूल नागरिक हो।,उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किये जाने वाले वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो।,मानवाधिकार, सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो। गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो।शासन के निर्देशानुसार ऐसे पात्र महानुभावों के प्रस्ताव, उनके द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों का तथ्यात्मक विवरण, अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ निर्धारित प्रारूप में स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति सहित प्रत्येक दशा में 28 सितम्बर, 2026 तक चार प्रतियों में जिला सूचना कार्यालय कलेक्ट्रेट में उपलब्ध कराए।इस सम्बन्ध में जनपद के इच्छुक व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदनध्नामांकन समस्त अभिलेखीय साक्ष्यों सहित निर्धारित तिथि से पूर्व उपलब्ध करा सकते हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान

आजमगढ़ जनपद में निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों के नियमानुसार संचालन को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर निगरानी एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोशल मीडिया पर चक्रपानपुर स्थित 'इंडियन पैथोलॉजी' से संबंधित वीडियो प्रसारित होने का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा द्वारा तत्काल जांच एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।सीएमओ के निर्देश के अनुपालन में डिप्टी सीएमओध्नोडल अधिकारी (निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान) डॉ. मोहन लाल के नेतृत्व में सहायक धीरेन्द्र शुक्ल की टीम द्वारा उक्त प्रतिष्ठान का मौके पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान के संचालन से संबंधित वैध पंजीकरणध्अनुमति एवं आवश्यक अभिलेख मांगे गए, जिन्हें मौके पर प्रस्तुत नहीं किया जा सका।प्रचलित विधिक प्रावधानों एवं विभागीय निर्देशों के अनुरूप आवश्यक अभिलेख एवं वैध पंजीकरण के अभाव में प्रतिष्ठान का संचालन किये जाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा तत्काल प्रभाव से प्रतिष्ठान को सील करने की कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान का संचालन संबंधित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित पंजीकरण, अनुमति एवं मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किए बिना नहीं किया जा सकता। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संचालकध्प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में संचालित निजी पैथोलॉजी केंद्रों, क्लीनिकों एवं अन्य निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों की नियमानुसार जांच जारी रखी जाए

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में पेंशन अदालत सम्पन्न

आजमगढ़ ।मण्डलायुक्त विवेक की अध्यक्षता में मण्डल के जनपदों में लम्बित पेंशन प्रकरणों के निस्तारण के सम्बन्ध में सोमवार को आयुक्त सभागार में पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। उक्त पेंशन अदालत में कुल 6 प्रकरण प्रस्तुत हुए, जिसमें जनपद आजमगढ़ के तीन, बलिया का एक एवं मऊ के दो प्रकरण सम्मिलित थे। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया कि पेंशन सम्बन्धी समस्त प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाय, किसी भी सेवानिवृत्त कार्मिक का पेंशन प्रकरण अनावश्यक रूप से लम्बित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत पेंशन मामलों में जो भी कार्यवाही अपेक्षित है उसे सम्बन्धित अधिकारी तत्काल पूर्ण कराते हुए पेंशन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। पेंशन अदालत में प्रस्तुत जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ के कार्यालय से वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त कर्मचारी का प्रकरण लम्बित पाया गया। उक्त के सम्बन्ध में जिला कार्यक्रम अधिकारी मऊ ने अवगत कराया कि उनके द्वारा विगत माह में जनपद मऊ में कार्यभार ग्रहण किया गया है तथा प्रकरण संज्ञान में आने पर अपेक्षित कार्यवाही की जा रही है। मण्डलायुक्त विवेक ने पेंशन प्रकरण काफी अधिक समय से लम्बित रहने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि प्रकरण लम्बित रहने के सम्बन्ध में जिन–जिन अधिकारियों के स्तर से लापरवाही हुई है उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही हेतु शासन को संस्तुति प्रेषित की जाय। उन्होने जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ को इस सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार जिला कार्यक्रम अधिकारी, मऊ के कार्यालय के एक अन्य लम्बित मामले का तत्काल निस्तारण कराये जाने हेतु उन्होंने निर्देशित किया। जिलाधिकारी कार्यालय आजमगढ़ के एक मृतक कार्मिक के परिवार को मिलने वाले पारिवारिक पेंशन के सम्बन्ध में पेंशनर के पुत्र श्रवण कुमार द्वारा कम पेंशन भुगतान होना बताया गया, जिस पर मुख्य कोषाधिकारी, आजमगढ़ अनुराग कुमार श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया कि कलेक्ट्रेट से फिक्सेशन गलत हुआ था, जिसे सही करते हुए नियमानुसार भुगतान किया जा रहा है। अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद बलिया में जिला विकास अधिकारी कार्यालय से गत जून माह में सेवानिवृत्त एक कर्मचारी द्वारा पेंशन आदि पावनाओं की मॉग लम्बित है। इस सम्बन्ध में खण्ड विकास अधिकारी, रेवती द्वारा बताया गया कि पेंशनर राज्य से बाहर गये हुए हैं जिससे उनके मोबाइल पर आने वाली ओटीपी प्राप्त नहीं हो पा रही है। पेंशनर से वार्ता हुई है, जैसे ही वह लौट कर आते हैं उनके प्रकरण को निस्तारित कर दिया जायेगा। मण्डलायुक्त द्वारा गत पेंशन अदालत की कार्यवाही की अद्यतन स्थिति से अवगत कराये जाने के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश क्रम में अवगत कराया गया कि विगत पेंशन अदालत में कुल 27 प्रकरण प्रस्तुत हुए थे, दिये गये निर्देशानुसार सभी का निस्तारण कर लिया गया है। मण्डलायुक्त ने पेंशन अदालत में प्रस्तुत अन्य मामलों पर विस्तार से चर्चा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये।इस अवसर पर अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन जगनारायण झा, मुख्य कोषाधिकारी, आजमगढ़ अनुराग कुमार श्रीवास्तव, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, आजमगढ़ संध्या अग्रहरि, जिला कार्यक्रम अधिकारी मऊ रंजीत कुमार, सहायक लेखाधिकारी मुम्ताज अहमद, लेखाधिकारी छोटेलाल कन्नौजिया, पेंशन प्रकरणों से समबन्धित पटल सहायक चन्द्रभानु प्रताप व प्रवेश मौर्य आदि उपस्थित थे।

जिला सलाहकार समिति की बैठक में क्विज के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक सहभागिता पर जोर

आजमगढ़, 21 सितंबर(आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का समन्वय मेरा युवा भारत, आजमगढ़ के जिला युवा अधिकारी कार्यालय द्वारा सदस्य सचिव के रूप में किया गया। बैठक में विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 के अंतर्गत आयोजित विकसित भारत क्विज में अधिकाधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 के अंतर्गत आयोजित क्विज युवाओं को विकसित भारत/2047 के संकल्प से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से युवाओं में ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने स्तर पर क्विज का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें तथा पात्र युवाओं को इसमें प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों सहित अन्य युवा केंद्रित संस्थानों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं तक क्विज की जानकारी पहुंचाई जाए।बैठक में बताया गया कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद–2027 क्विज में प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक युवा मेरा युवा भारत पोर्टल (उलईंतंज.हवअ.पद) के माध्यम से पंजीकरण कर क्विज में सहभागिता कर सकते हैं।सीडीओ ने जिला सलाहकार समिति के सदस्यों से अपेक्षा की कि वे युवाओं को इस पहल से जोड़ने के लिए प्रभावी समन्वय एवं व्यापक जन–जागरूकता गतिविधियां संचालित करें। उन्होंने कहा कि युवाओं की व्यापक भागीदारी से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में उनकी भूमिका और सहभागिता को और मजबूत किया जा सकेगा।बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने अपने–अपने स्तर से क्विज के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा अधिकाधिक पात्र युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।बैठक में जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह, पीडी सच्चीदानंद, बीएसए राजीव पाठक, जिला कृषि अधिकारी सदानंद चौधरी, एक्सईएन जल निगम ग्रामीण, राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रतिनिधि, स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन आयुक्त, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार, राजकीय पॉलिटेक्निक के प्रतिनिधि, डायट प्राचार्य सहित विभिन्न विभागों, शिक्षण एवं गैर–शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व नदी दिवस 27 सितंबर को जल संरक्षण पर आयोजित होगा सेमिनार

आजमगढ़ 21 सितंबर(आर एन एस)मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार पटेल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व नदी दिवस–2026 के अवसर पर 27 सितंबर 2026 को प्रस्तावित 'नदी की बात–जन–जन के साथ' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।बैठक में लोक दायित्व न्यास, आजमगढ़ के केंद्रीय संयोजक डॉ. पवन कुमार ने अवगत कराया कि लोक दायित्व द्वारा विश्व नदी दिवस–2026 के अवसर पर जनपद आजमगढ़ में 'नदी की बात–जन–जन के साथ' अभियान के अंतर्गत व्यापक नदी एवं जल–संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम तथा प्रदर्शनी का आयोजन हरिऔध कला केंद्र में किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को नदियों, तालाबों, पोखरों, कुओं एवं अन्य जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही जल संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मूल संदेश 'हमारी नदी–हमारा दायित्व' है। इसका उद्देश्य नदी एवं जलस्रोतों के संरक्षण को केवल पर्यावरणीय विषय तक सीमित न रखते हुए इसे जनजीवन, कृषि, भूजल, जैव–विविधता, लोकसंस्कृति तथा भावी पीढ़ियों के भविष्य से जोड़ना है। इसके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जल संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और स्थानीय स्तर पर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि यह आयोजन मात्र एक दिवस का औपचारिक कार्यक्रम न होकर 'आजमगढ़ की जल–स्मृति, वर्तमान जल–स्थिति और भविष्य की जल–दृष्टि' को एक मंच पर लाने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जलस्रोतों, नदियों, जल संरक्षण से जुड़ी परंपराओं, स्थानीय अनुभवों एवं वर्तमान जल–स्थिति से संबंधित जानकारी को संकलित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

ग्लोबल चिप मार्केट 2026 में 1.6 ट्रिलियन डालर के पार जाने का अनुमान

सियोल ,21 सितंबर ,। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के कारण 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के 1.6 ट्रिलियन डॉलर के पार जाने का अनुमान है। यह इस साल की शुरुआत में लगाए गए अनुमान से 1.5 गुना से भी अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, यह अनुमान ऐसे समय में सामने आया है, जब एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग उठ रही है।रिपोर्ट में बताया गया कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स के वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है।कोरिया एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर ने ट्रेंडफोर्स समेत वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है।पिछले साल तक अनुमान था कि वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 2030 में ही 1 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करेगा। लेकिन बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश तेजी से बढ़ाए जाने के कारण इस अनुमान को काफी बढ़ा दिया गया है।

पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतें क्रमशरू 25 डॉलर और 30.5 डॉलर पर पहुंच गईं। एक साल पहले की तुलना में इनमें क्रमशरू 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी हुई है।रिपोर्ट के नवीनतम अनुमान के अनुसार, अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। हालांकि, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहने का अनुमान है और 2030 तक इसके करीब 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।रिपोर्ट में कहा गया, बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं। इससे पहले की तुलना में सेमीकंडक्टर उद्योग को स्थिर करने में मदद मिलेगी।उद्योग के सूत्रों के अनुसार, बड़ी टेक कंपनियों का एआई में निवेश और एआई सेवाओं का विस्तार तेजी से होने के कारण निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।

एशियन गेम्स 2026 : सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास, एमएमए में मेडल जीतने वाली बनीं पहली भारतीय खिलाड़ी

नागोया ,21 सितंबर ,। सुचिका तारियाल ने सोमवार को भारत के लिए इतिहास रच दिया। सुचिका एशियन गेम्स में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। सुचिका ने पारंपरिक 60 किलोग्राम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया। सुचिका का ऐतिहासिक कैंपेन सेमीफाइनल में खत्म हो गया, जहां उन्हें सिंगापुर की हुई हून टीओ से एक करीबी हार मिली, जो ओवरटाइम तक चली। भारतीय खिलाड़ी बहुत कम अंतर से हारी, जिससे गोल्ड–मेडल मुकाबले तक पहुंचने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं, लेकिन एमएमए के एशियन गेम्स डेब्यू में उन्होंने पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली। यह नतीजा सुचिका के लिए निराशाजनक रहा और फैसले की घोषणा के बाद वह निराश भी दिखाई दीं। हालांकि, निराशा के बावजूद, 36 साल की यह खिलाड़ी आइची–नागोया से एक ऐतिहासिक मेडल लेकर लौटीं, जो महाद्वीपीय स्टेज पर भारतीय एमएमए के लिए एक बड़ी कामयाबी है।

रविवार को क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सुचिका ने सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने अल्तांचिमेग बैगलमा के खिलाफ 2–0 से जीत हासिल की थी और एमएमए में एशियन गेम्स में मेडल पक्का करने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं।सुचिका तारियाल के करियर में यह ब्रॉन्ज मेडल एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में जुड़ गया है। कई कॉम्बैट खेलों में अपनी पहचान बना चुकीं सुचिका पहले राष्ट्रीय स्तर की जूडो खिलाड़ी रह चुकी हैं। उन्होंने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जहां वह ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले तक पहुंची थीं। इसके बाद उन्होंने एशियन गेम्स 2023 में कुराश स्पर्धा में भी हिस्सा लिया था। इसके बाद उन्होंने जिउ–जित्सु के टॉप लेवल पर खुद को स्थापित किया, और 2024 में जिउ–जित्सु फाइटिंग में वर्ल्ड टाइटल जीता।सुचिका तारियाल ने एमएमए में अपना डेब्यू 2017 में किया था। उन्होंने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन इसके बाद करीब सात साल तक इस खेल से दूर रहीं। इस दौरान उन्होंने जूडो और जिउ–जित्सु पर ध्यान दिया और इन खेलों में अपनी तकनीक को और मजबूत बनाया।इसके बाद में सुचिका ने एमएमए में वापसी की और फिर से प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनकी वापसी सफल रही और नवंबर 2024 में उन्होंने ब्रेव कॉम्बैट फेडरेशन के साथ कई मुकाबलों की डील साइन की। यह उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का मौका दिया। घुटने की चोट जैसी चुनौतियों से उबरकर सुचिका तारियाल ने शानदार वापसी की। खेल के अलावा उन्हें लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो श्रोडीजश में भाग लेने की वजह से भी पहचान मिली, जिससे वह खेल जगत के बाहर भी लोगों के बीच चर्चित हुईं।मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स उन छह नए खेलों में शामिल है, जिनका आइची–नागोया एशियन गेम्स में पहली बार आयोजन किया गया। इसके अलावा फ्रीस्टाइल बीएमएक्स, टेकबॉल, पैडल, सर्फिंग और वर्चुअल ताइक्वांडो भी इस बार पहली बार एशियन गेम्स का हिस्सा बने हैं। हालांकि, सुचिका फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं, लेकिन उनका ब्रॉन्ज मेडल भारतीय एमएमए के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो, छह देशों के प्रतिनिधिमंडल होंगे शामिल

ग्रेटर नोएडा ,21 सितंबर ,। उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, निर्माण और निर्यात के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में आयोजित होने वाले चतुर्थ उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस –2026) की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले व्यापार मेले की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाया जाए और देश–विदेश से आने वाले खरीदारों, निवेशकों, उद्यमियों तथा प्रतिनिधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यूपीआईटीएस–2026 में इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस छह भागीदार देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। इन देशों की ओर से प्रीमियम फोयर पवेलियन, द्विपक्षीय कारोबारी सत्र और बी2बी बैठकों में भागीदारी की जाएगी। फियो और विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के समन्वय से 72 देशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से करीब 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के मेले में पहुंचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विदेशी खरीदारों और प्रदर्शकों के लिए उचित आवास की व्यवस्था करने, भाग लेने वाले देशों के उच्चायुक्तों के लिए लायजन ऑफिसर नियुक्त करने तथा प्रतिनिधियों की सहायता के लिए गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और तकनीकी विश्वविद्यालयों के छात्रों को तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ जोड़ने और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ अतिरिक्त संवाद सत्र आयोजित करने पर भी जोर दिया।

संभावित भारी भीड़ को देखते हुए सीएम योगी ने यातायात, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तीनों प्राधिकरणों को आपसी समन्वय के साथ स्वच्छता, कानून–व्यवस्था और सुचारू यातायात बनाए रखने को कहा गया है। आयोजन स्थल को प्लास्टिक–मुक्त और व्यवस्थित रखने के साथ प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। सभी सरकारी विभागों को 23 सितंबर तक अपने स्टॉल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग, पोस्टर और दिशा–सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। नेटवर्क कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए अतिरिक्त टावर लगाने और विश्वसनीय इंटरनेट व वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए टेलीकॉम कंपनियों से समन्वय किया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मुख्यमंत्री को यूपीआईटीएस–2026 के लिए तैयार यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। आयोजन स्थल तक आने–जाने वाले मार्गों की समीक्षा की गई है। प्रवेश और निकास द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। फ्रिस्किंग, भीड़ प्रबंधन और लगातार निगरानी की व्यवस्था भी की गई है।

आगंतुकों, प्रदर्शकों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए अलग–अलग पार्किंग व्यवस्था तथा मार्ग प्रबंधन पर भी काम किया गया है। आयोजन स्थल और पार्किंग क्षेत्रों के बीच आवागमन को आसान बनाने के लिए 500 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) शटल बसें संचालित की जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों और वीवीआईपी मेहमानों की सहायता के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विशेष यूपीआईटीएस सुविधा काउंटर भी संचालित किया जा रहा है। यूपीआईटीएस का प्रचार एनएमआरसी मेट्रो, शहर की बसों, मल्टीप्लेक्स सिनेमा स्क्रीन, रेडियो और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किया जा रहा है।मेटा प्लेटफॉर्म्स पर प्रचार अभियान को अब तक 1.3 करोड़ से अधिक वीडियो व्यूज मिल चुके हैं। खरीदारों, प्रदर्शकों और मेहमानों की सहायता के लिए सीएम फेलो, उद्यमी मित्र, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के युवा स्वयंसेवकों को भी तैनात किया जा रहा है। जिलाधिकारी मेध ा रूपम ने मुख्यमंत्री को जिले में चलाए जा रहे जमीनी और युवा जनसंपर्क अभियानों की जानकारी दी। आरडब्लूए, औद्योगिक संगठनों, स्कूल–कॉलेजों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें की गई हैं। युवाओं और स्कूली छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए डिजिटल रील चौलेंज, यंग एंटरप्रेन्योर प्रतियोगिता और विशेष क्विज का आयोजन किया जाएगा।

एमएलएस : 2-2 से ड्रा रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी ,21 सितंबर ,। एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2–2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1–1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री–किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि ा एलएएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

मेसी के इस गोल ने गोल्डन बूट की रेस में उनकी बढ़त को और मजबूत कर दिया हैय उनके नाम लीग में सबसे ज्यादा 33 गोल योगदान (गोल, असिस्ट) हैं और वह एमएलएस में गोल (20) और असिस्ट (13) के मामले में सबसे आगे हैं। हाफ टाइम तक स्कोर 1–1 रहा, जिसके बाद दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने जीत हासिल करने के लिए लगातार 45 मिनट तक हमले जारी रखे।

मेजबान टीम की कोशिशों का फल उन्हें 74वें मिनट में मिला। डी पॉल ने बॉक्स के दाईं ओर सुआरेज को एक सटीक पास दिया, जहां उरुग्वे के दिग्गज फॉरवर्ड ने अपने दाहिने पैर से पहला शॉट लेते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। यह इस रेगुलर सीजन में सुआरेज का 13वां गोल था, जबकि इस असिस्ट के साथ डी पॉल के असिस्ट की संख्या 12 हो गई।

सैन डिएगो ने 82वें मिनट में एक बार फिर स्कोर को 2–2 से बराबर कर दिया। मैच के आखिरी पलों में इंटर मियामी को हमले के कई मौके मिले, लेकिन 9.06वें मिनट में मैच के आखिरी प्ले के दौरान गोलकीपर सेंट क्लेयर ने सैन डिएगो के कीरन सार्जेंट के शॉट को रोककर टीम की हार को टाला। इसके बाद इंटर मियामी अपने अगले एमएलएस मुकाबले के लिए 28 सितंबर को ओहायो के कोलंबस शहर जाएगी। वहां टीम का सामना स्कॉट्समिरेकल–ग्रो फील्ड में कोलंबस क्रू से होगा।

एनएसई आईपीओ का आखिरी दिन, जीएमपी 60 के नीचे लुढ़का

मुंबई ,21 सितंबर ,। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) आईपीओ के सब्सक्रिप्शन का सोमवार को अंतिम दिन है, लेकिन इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) में लगातार उतार–चढ़ाव देखा जा रहा है और यह अब 60 के नीच पहुंच गया है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनएसआई आईपीओ का जीएमपी अब कम होकर 59 रुपए प्रति शेयर हो गया है, जो कि इश्यू प्राइस का 3.31 प्रतिशत है।11 सितंबर को आईपीओ के प्राइस बैंड के ऐलान के बाद से इसका जीएमपी 218 रुपए प्रति शेयर पर था, तब से यह लगातार दबाव में बना हुआ है। वहीं, 17 सितंबर को आईपीओ खुलने के दौरान जीएमपी 142 रुपए प्रति शेयर या 7.96 प्रतिशत दर्ज किया गया था।जीएमपी एक अनाधिकारिक वैल्यू होती है, जो कि आईपीओ के इश्यू प्राइस से ऊपर के मार्केट के प्रीमियम को दिखाती है। हालांकि, यह इश्यू प्राइस से ऊपर प्रीमियम पर लिस्टिंग की गारंटी नहीं है।इसका प्राइस बैंड 1,700– 1,785 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। ऊपरी बैंड के मुताबिक, इसका इश्यू साइज 22,561.57 करोड़ रुपए है। इसमें 12.64 करोड़ शेयर पेश किए जा रहे हैं। यह पूरा आईपीओ ओएफएस हैं। इसका मतलब है कि आईपीओ के तहत जुटाया गया सारी राशि मौजूदा निवेशकों के पास जाएगी, न कि कंपनी के पास।

एनएसई आईपीआई में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंता कंपनी का कमजोर वित्तीय प्रदर्शन है।वित्त वर्ष 26 में ऑपरेशन से आय 16,601.31 करोड़ रुपए रही है, जो वित्त वर्ष 25 की दर्ज की गई आय 17,140.67 करोड़ रुपए से कम थी, जो कि सालाना आधार पर तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट को दिखाता है।बड़ी बात यह है कि इस दौरान कंपनी की आय का मुख्य स्रोत ट्रांजैक्शन चार्जेज में भी गिरावट देखी गई है, जो कि समीक्षा अवधि में 13,635.76 करोड़ रुपए से घटकर 13,057.01 करोड़ रुपए पर आ गया है। यह आंकड़ा सालाना आधार पर चार प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है।

एशियन गेम्स 2026 :भारतीय महिला हाकी टीम का शानदार प्रदर्शन, एकतरफा मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा

नागोया ,21 सितंबर ,। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का दमदार प्रदर्शन जारी है। पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 19–0 से रौंदने के बाद टीम ने दूसरे मैच में इंडोनेशिया को 17–1 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में भारतीय टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने इंडोनेशिया के डिफेंस की धज्जियां उड़ा डालीं। भारतीय टीम मैच में शुरुआत से ही हावी नजर आई। टीम ने इंडोनेशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और एक के बाद एक गोल दागे। भारत की तरफ से दीपिका, ऋतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोलों की अपनी हैट्रिक पूरी की। वहीं, सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने भी दो–दो गोल दागते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कप्तान सलीमा टेटे और इशिका ने भी एक–एक गोल किया। शुरुआती दो क्वार्टर में भारत का पूरी तरह से दबदबा रहा। पहले हाफ में ही भारत ने 9–0 की बड़ी बढ़त हासिल की। इंडोनेशिया की तरफ से एकमात्र गोल तीसरे क्वार्टर में इन्नेस आदित्य ने किया। इस इकलौते गोल के अलावा इंडोनेशिया एक बार भी भारत के डिफेंस को भेदने के करीब तक नहीं पहुंच सका। पहले क्वार्टर में भारत ने कुल 4 गोल किए। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में टीम ने अपने इसी प्रदर्शन को दोराया और 5 गोल करने में सफलता हासिल की।

मैच के तीसरे क्वार्टर में इंडोनेशिया द्वारा किए गए एक गोल के मुकाबले भारत ने 5 गोल दागे। वहीं, मुकाबले के चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम ने तीन गोल करते हुए मैच को 17–1 से अपने नाम किया। इस मुकाबले में 3 गोल करने वालीं दीपिका का प्रदर्शन उज्बेकिस्तान के खिलाफ भी शानदार रहा था और उन्होंने 8 गोल किए थे। वह दो मैचों में अब तक कुल 11 गोल कर चुकी हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पूल बी में पहला स्थान हासिल कर लिया है। टीम अपने इसी प्रदर्शन को आने वाले मुकाबलों में भी बरकरार रखना चाहेगी।

एशियन गेम्स 2026 : भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने जीत के साथ किया आगाज, एकतरफा मुकाबले में जापान को 49-23 से हराया

नागोया ,21 सितंबर ,। एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय मेंस कबड्डी टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन को मेजबान जापान को एकतरफा अंदाज में 49–23 से हराया। भारतीय टीम का पूरे मैच में दबदबा देखने को मिला। टीम के रेडर्स शानदार लय में दिखाई दिए, तो डिफेंडर्स ने भी जापान को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। भारत ने शुरुआत से ही दमदार खेल दिखाया। भारतीय रेडर्स के सामने जापान का डिफेंस बेहद कमजोर नजर आया। भारतीय रेडर्स जापान के डिफेंस को भेदते हुए लगातार प्वाइंट्स हासिल करते रहे। पहले हाफ में भारतीय रेडर्स पूरे तरह से हावी रहे। शुरुआत से ही रेडर्स ने जापान के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया, जिसका फायदा टीम इंडिया को मिला। आशू मलिक ने एक साथ जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट करते हुए सुपर रेड लगाई। आशू रेड में भारत के लिए लगातार प्वाइंट्स निकालते रहे। वहीं, भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान को पहले हाफ में ही दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31–9 की बड़ी बढ़त के साथ किया।हालांकि, दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की और तेजी से प्वाइंट्स हासिल करने शुरू किए। भारत ने दूसरे हाफ में पवन सहरावत और अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को उतारा। अर्जुन ने आते के साथ ही प्वाइंट हासिल किया। इसके बाद भारतीय टीम एक बार फिर जापानी टीम को ऑलआउट करने में सफल रही।अंत में जापान के डिफेंस ने अच्छा खेल दिखाते हुए भारत के रेडर्स की कई रेडों को नाकाम किया लेकिन तब तक भारतीय टीम बहुत बड़ी बढ़त हासिल कर चुकी थी। आशू मलिक और राहुल भारतीय टीम के लिए इस मुकाबले में जीत के नायक रहे। अगले मैच में टीम इंडिया की भिड़ंत अब मंगलवार को साउथ कोरिया से होगी। भारतीय टीम अपनी इसी फॉर्म को साउथ कोरिया के खिलाफ भी जारी रखने के इरादे से उतरेगी।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1869 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर । जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1869वें दिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। इस अवसर पर यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर बसन्त लाल मौर्य, दिनेश सरोज, उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, नरेन्द्र गिरी, विजय प्रताप सिंह, सज्जन यादव, डा.ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र, आदित्य नारायण शर्मा, राम बहाल यादव, कैलाश नाथ प्रजापति, मेवालाल यादव, नन्दलाल रावत, उदय प्रताप सिंह, रामनगीना यादव, अमरेश कुमार पाण्डेय सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

सर्वेश्वरी समूह बदलापुर ने मनाया स्थापना दिवस निकाली शोभायात्रा और प्रभातफेरी

बदलापुर जौनपुर ।नगर पंचायत बदलापुर में बाबा कीनाराम स्थल भलुवाही मे स्थापना दिवस के अवसर पर नगर पंचायत बदलापुर में प्रभात फेरी व शोभायात्रा निकाल कर सर्वेश्वरी समूह द्वारा इंद्रिरा चौराहा होते हुए घनश्यामपुर रोड होते हुए एन. पी. एस के सामने से चंदन सहित मार्ग होते हुए और राम जानकी दीनदयाल उपाध्याय स्मारक तक उसके बाद पुनः बदलापुर मंडी होते हुए बाजार होते हुए परिक्रमा करते हुए अपने निजी स्थान बाबा कीनाराम स्थल भलुवाही बदलापुर में समापन किया गया ।इस अवसर पर उपस्थित दीपक जायसवाल,डॉक्टर अशोक कुमार,रत्नेश दुबे ,गुड्डू प्रजापति ,नरेंद्र शर्मा ,सुभाष पांडे ,अर्जुन विश्वकर्मा, श्याम नारायण विश्वकर्मा, अखिलेश विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे हर हर महादेव के नारे के साथ शोभायात्रा मे भाग लिया ।

अपहरण के मामले मे वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र विक्रम सिंह के कुशल नेतृत्व में दिनांक 20.09.2026 को उ0नि0 अशोक कुमार मय हमराह द्वारा अभियुक्त विक्की उर्फ अर्जुन सोनकर पुत्र रामसूरत निवासी लालपुर थाना जलालपुर जौनपुर सम्बन्धित मु0अ0सं0 419ध्26 धारा धारा 137(2) बीएनएस व 7ध्8 पाक्सो एक्ट को दरवेशपुर अण्डर पास पुलिया के पास से दिनांक 20.09.26 को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण1.विक्की उर्फ अर्जुन सोनकर पुत्र रामसूरत निवासी लालपुर थाना जलालपुर जौनपुर

आपराधिक इतिहास का विवरण1. मु0अ0सं0 419ध्26 धारा धारा 137(2) बीएनएस व 7ध्8 पाक्सो एक्ट थाना जलालपुर जौनपुर2. मु0अ0सं0 363ध्26 धारा 115(2),352,351(3) ठछै थाना जलालपुर जौनपुर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम1. उ0नि0 अशोक कुमार थाना जलालपुर जौनपुर2. रि0का0 कृष्णा नन्द गौड़ थाना जलालपुर जौनपुर3. रि0का0 सुनील गुप्ता थाना जलालपुर जौनपुर।

जय मां शारदा।
शुक्ला मैरिज हाल
मिर्जापुर रोड मरियाहू रोड जौनपुर
वृंदावन पैलेस एवं मैरिज हाल शादी विवाह इगेजमेंट बर्थडे पार्टी मीटिंग एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए संपर्क करें एक बार सेवा का अवसर दीजिए
जयेंद्र कुमार शुक्ला मुन्ना शुक्ला
(प्रोपराइटर)
मो.न. 9838998491, 9793787559, 8840610896

पीडीए जन पंचायत कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर। समाजवादी पार्टी, जौनपुर के तत्वावधान में तीन स्थानों मैनीपुर, गौतम बुद्ध इंटर कॉलेज चम्बलतारा एवं सम्राट अशोक महान भवन लखनपुर में च्च। जनपंचायत कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व मंत्री एवं पूर्व सदस्य विधान परिषद लीलावती कुशवाहा जी ने शिरकत की।

अपने संबोधन में लीलावती कुशवाहा ने कहा कि आज पिछड़ा वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक समाज का हक, अधिकार और सम्मान खतरे मेंहै। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान खतरे में है, आरक्षण खतरे में है ।उन्होंने कहा कि आज बड़ी तादाद में च्च। समाज कृ मौर्य समाज, यादव समाज, मुस्लिम समाज, निषाद, विश्वकर्मा सहित सभी समाज के लोगों की हत्याएं हो रही हैं, फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं, बुलडोजर लगाकर मकान गिराए जा रहे हैं। सरकार संविधान और आरक्षण का पालन नहीं कर रही है।

लीलावती कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आपके आरक्षण की विरोधी है, महात्मा बुद्ध की विरोधी है, सम्राट अशोक महान की विरोधी है, बाबा साहेब अंबेडकर और उनके बनाए संविधान की विरोधी है ।उन्होंने कहा कि पूरे देश में मुलायम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश में 27ः आरक्षण लागू किया और लालू प्रसाद यादव ने बिहार में लागू किया, बाकी पूरे देश में कांग्रेस और भाजपा की सरकारें रहीं, कहीं भी आज तक 27ः आरक्षण पूरी तरह लागू नहीं हुआ ।कार्यक्रम में भारी संख्या में च्च। समाज के लोग उपस्थित रहे और संविधान, आरक्षण बचाने का संकल्प लिया ।आज के च्च। जनपंचायत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलावती कुशवाहा का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि दलित समाज और मौर्य समाज ही सबसे ज्यादा महात्मा बुद्ध और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अनुयायी है और भारतीय जनता पार्टी महात्मा बुद्ध की, बाबा साहेब अम्बेडकर की और संविधान की विरोधी है ।उन्होंने कहा कि आज इस देश में बाबा साहेब अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम , मुलायम सिंह यादव, डॉ. राममनोहर लोहिया और मौलाना अबुल कलाम आजाद के सपनों को साकार करने के लिए अगर कोई नेता संघर्ष कर रहा है तो उस नेता का नाम अखिलेश यादव है।

मोहम्मद अरशद खान ने च्च। समाज का आह्वान किया कि आपका हित सिर्फ और सिर्फ समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव में है, इसलिए वोट मत बाँटिए। अखिलेश यादव जिसको भी टिकट देंगे, सभी लोग मिलकर उसको जिताइए। एक लक्ष्य रखिए कि अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर बाबा साहेब अम्बेडकर के संविधान और आरक्षण को बचाए रखना है और विकास और भाईचारा के लिए वोट देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री लीलावती कुशवाहा रहीं। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री संगीता यादव , वरिष्ठ नेता और पूर्व नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रत्याशी रही पूनम मौर्य , गप्पू मौर्य , उदयभान मौर्य ,आरिफहबीब जिला महासचिव प्रभाकर मौर्य ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव रामकेश बिंद ने किया ।सभी वक्ताओं ने च्च। एकता और 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान किया।

ग्राम विकास अधिकारी पर जानलेवा हमला, लाठी-डंडों से पीटकर किया घायल

मड़ियाहू जौनपुर ।स्थानीय थाना क्षेत्र के रामपुर खास गांव में ग्राम विकास अधिकारी पर कथित रूप से लाठी–डंडों से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने अधिकारी के साथ मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। हमले में उनके सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। बताया गया कि घटना के दौरान आरोपितों ने ग्राम विकास अधिकारी के पास मौजूद सरकारी अभिलेख और डोंगल भी छीन लिए तथा उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद घायल अधिकारी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। तहरीर और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

जौनपुर। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केराकत पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने कटहरी निवासी राजकुमार सरोज उर्फ सब्बल पुत्र मंगला सरोज को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्टल बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना केराकत में मुकदमा अपराध संख्या 385ध्26 के तहत धारा 3ध्25ध्5ध्27 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी का चालान संबंधित न्यायालय में भेज दिया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान समन्वय बैठक हुई संपन्न

जौनपुर । जनपद में 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक दस्तक अभियान संचालित होगा, जिसमें अंतर्विभागीय सहयोग, समन्वय से संचारी रोगों के रोकथाम, नियंत्रण एवं व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संचारी दस्तक अभियान के सफल संचालन, क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी श्री ध्रुव खाड़िया की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संचारी दस्तक अभियान संबंधित अंतर्विभागीय समन्वय बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी दस्तक अभियान संबंधित समस्त गतिविधियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार संपादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 27 सितंबर तक कार्ययोजना स्वास्थ्य विभाग में जमा करने, संवेदनशील ग्रामों

मोहल्लों में सघन रूप से संचारी रोगों के रोकथाम हेतु निरोधात्मक गतिविधियां संपादित करने के निर्देश दिए। पंचायती राज विभाग को रोस्टर के अनुसार समस्त ग्राम पंचायत में झाड़ियों की कटाई, जल निकासी, साफ–सफाई एवं नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। समस्त अधिशासी अधिकारी को नगरीय क्षेत्रों के समस्त वार्डों, मोहल्लों एवं स्कूलों में सघन रूप से साफ–सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वा रसायन का छिड़काव कराए जाने के निर्देश दिए। पिछले अभियान के कुछ ब्लॉक के संचारी फीडबैक स्टेट औसत से कम पाए थे इस अभियान के दौरान संबंधित ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने एवं समस्त गतिविधियां शत–प्रतिशत कराए जाने हेतु निर्देशित किए। पशुपालन विभाग को निर्देशित किए कि समस्त शूकर पालकों को साफ–सफाई, कीटनाशी रसायन स्प्रे, शूकर को खुले में न छोड़ने हेतु सेंस्टाइज करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधीक्षक, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये गये कि वे अपने ब्लॉक में शत–प्रतिशत आशा भ्रमण, लक्षण युक्त मरीजों को चिन्हीकरण, संचारी रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करने, समस्त दवाओं, किट्स, प्लेटलेट्स की उपलब्धता आदि सुनिश्चित करें समस्त गतिविधियों की मीडिया ब्रीफिंग कराएं। डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों पर नियंत्रण हेतु समस्त तैयारियां सुनिश्चित करें व्यापक प्रचार प्रसार कराएं। समस्त स्कूलों कॉलेज में साफ–सफाई, झाड़ी कटाई, छात्र छात्राओं को संक्रामक रोगों से बचाव हेतु जागरूक करने, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने की व्यवस्था किए जाने हेतु निर्देशित किए। सभी विभाग आपसी समन्वय से अभियान का उद्घाटन करें।समस्त गतिविधियों का जीपीएस फोटो ग्राफ सहित रिपोर्ट संकलित करें।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 गंगाराम गौतम, समस्त अपर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ0 आलोक कुमार सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी डॉ0 विवेक कुमार, डीपीओ आईसीडीएस ए0के0 सिंह, सीवीओ डॉ संजय कुमार, डीडीएजीआर के नायक, नरसिंह राय, एई सिंचाई विभाग, ऋषिकेश कुमार जल निगम के अधिकारी, अधिशासी अधिकारी धर्मराज राय, समस्त अधीक्षक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सुजीत कुमार प्रभाकर सहायक मलेरिया अधिकारी सहित समस्त विभागों के अधिकारी प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

शिक्षको ने सेवा सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

कैशलेस चिकित्सा योजना के सांकेतिक बहिष्कार का ऐलान, सेवा सुरक्षा की मांग

जौनपुर। अशासकीय अनुदानित महाविद्यालयधविश्वविद्यालय स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ, जौनपुर ने स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में कार्यरत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, सम्मानजनक मानदेय और सेवा विनियमन की मांग को लेकर सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षकों ने अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने की अपील की।संघ का कहना है कि प्रदेश के 331 अनुदानित महाविद्यालयों में वर्ष 2000 से संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की दोहरी व्यवस्था में करीब 3000 असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत हैं। शिक्षकों के अनुसार पिछले करीब 25 वर्षों से वे सेवा सुरक्षा, नियमितीकरण और सम्मानजनक मानदेय की मांग कर रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।शिक्षकों ने कहा कि वे मुख्यमंत्री की कैशलेस चिकित्सा योजना के उद्देश्य के विरोधी नहीं हैं। अपनी लंबित सेवा संबंधी समस्याओं को शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए योजना के सांकेतिक बहिष्कार के माध्यम से विरोध दर्ज कराया जा रहा है।संघ ने मांग की कि स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की दोहरी व्यवस्था समाप्त कर संबंधित विषयों को अनुदान पर लिया जाए, यूजीसी की निर्धारित योग्यता के अनुरूप कार्यरत शिक्षकों की सेवाओं को नियमानुसार विनियमित अथवा संरक्षित किया जाए। वैकल्पिक रूप से यूजीसी वेतनमान के अनुरूप निश्चित एवं सम्मानजनक मानदेय देते हुए शिक्षकों की सेवा सुरक्षित की जाए।ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने "शिक्षक एकता जिंदाबाद" के नारे लगाए। इस दौरान डॉ. संतोष कुमार पांडेय, डॉ. ओम प्रकाश दुबे, डॉ. मृत्युंजय मिश्रा, डॉ. त्रिपुरारी उपाध्याय, डॉ. मधु पाठक, रागिनी राय, डॉ. गुंजन मिश्रा, डॉ. संतोष तिवारी, डॉ. सुधाकर शुक्ला, डॉ. धर्म साहू, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, डॉ. पवन सिंह, डॉ. उमेश सिंह, डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शनी का आयोजन

जौनपुर । सेवा संकल्प अभियान–2026 के अंतर्गत सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का आज किड्स वर्ल्ड विद्यालय के बच्चों को अवलोकन कराया गया ।इस दौरान बच्चों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित विभिन्न चित्रों, पोस्टरों एवं सूचना सामग्री के माध्यम से मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनपद में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की ।प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकासपरक कार्यक्रमों के संबंध में सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी प्रदान की गई। बच्चों ने प्रदर्शित सामग्री का अवलोकन करते हुए विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की ।इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक विवेक सिंह, किड्स वर्ल्ड विद्यालय के शिक्षकगण एवं संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमडीआर टैक्स के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। यूपीआई से जुड़े व्यापारी लेनदेन पर लागू किए गए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा को सौंपा ।प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने केंद्र सरकार की यूपीआई संबंधी व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एमडीआर का अतिरिक्त बोझ व्यापारियों और आम लोगों पर पड़ने की आशंका है। उन्होंने सरकार से इस व्यवस्था को वापस लेने की मांग की।

डॉ. सिंह ने कहा कि सरकार ने जीएसटी को 'एक देश, एक टैक्स' की व्यवस्था के रूप में लागू किया था, ऐसे में डिजिटल भुगतान से जुड़े अतिरिक्त शुल्क की व्यवस्था को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने एमडीआर की तुलना 'जजिया टैक्स' से करते हुए इसे जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ बताया ।शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि सरकार को एमडीआर की व्यवस्था पर पुनर्विचार करते हुए इसे वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी के बीच जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है ।इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, विनय तिवारी, लाल प्रकाश पाल, मंजू बेनवंशी, अरुण शुक्ला, रामसिंह बांकुरे, जिला सचिव इरशाद खान, सभासद शहनवाज मंजूर, राजकुमार गुप्ता, जब्बार अली सलमानी, तौफीक अहमद राजू, हमजा मलिक, आशीष यादव, रेखा बेनवंशी, साबिर बेगम, मुहम्मद ताहिर, इकबाल हुसैन, संदीपा बेनवंशी, विजेन्द्र गौतम, इस्तेखारुल प्रधान, मोहम्मद अजीम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे ।पृष्ठभूमिरू केंद्र सरकार की 15 सितंबर 2026 की जानकारी के अनुसार यूपीआई के व्यक्ति–से–व्यक्ति भुगतान निःशुल्क रहेंगे और घ्2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं लगेगा। सरकार के अनुसार निर्धारित श्रेणी के घ्2,000 से अधिक के व्यापारी लेनदेन पर एमडीआर लागू होगा और इसका भुगतान ग्राहक नहीं, बल्कि व्यापारी भुगतान व्यवस्था के भीतर किया जाएगा।

नगर के तीन परिषदीय विद्यालयों में चेयरमैन कपिल मुनि ने बाटे डेस्क-बेंच

मुंगराबादशाहपुर जौनपुर। नगर पालिका क्षेत्र के प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूलों में पठन–पाठन का स्तर सुधारने और बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष कपिल मुनि उमर वैश्य द्वारा अधिशासी अधिकारी अखिलेश तिवारी एवं सभासदों की उपस्थिति में 15वाँ वित्त आयोग निधि के अन्तर्गत निर्मित कराये गये 80 डेस्क, बेन्च का वितरण किया गया। जिसमें नगर के प्राथमिक विद्यालय गुड़्हाई में 15, कन्या जूनियर हाईस्कूल गुड़्हाई में 40 तथा प्राथमिक विद्यालय पकड़ी में 25 नग डेस्क व बेंच का वितरित किए गए। इस अवसर पर चेयरमैन कपिल मुनि उमर वैश्य ने अपने संबोधन कहा कि नगर पालिका क्षेत्र के विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। बच्चों को टाट–पट्टी पर न बैठना पड़े और वे सम्मानजनक माहौल में शिक्षा ग्रहण कर सकें, इसी उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी अखिलेश तिवारी ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर के मजबूत होने से नामांकित बच्चों की उपस्थिति और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार आएगा। इस मौके पर खण्ड शिक्षा अधिकारी डा अविनाश सिंह , नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक रामानुज शुक्ला सभासद एजाज अहमद, वीजेंद्र जायसवाल, दिलीप श्रीवास्तव, अनिल कुमार भूरे मनोज कुमार गुप्त अन्य सभासद एवं विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित हल को कुलपति की संवेदनशील पहल

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में विद्यार्थियों की समस्याओं, शिकायतों और सुझावों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान की दिशा में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विगत दिनों विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कुलपति से भेंट कर अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया था। कुलपति ने विद्यार्थियों की बातों को गंभीरता, धैर्य और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया था ।विद्यार्थियों की शिकायतों के समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र शिकायत निवारण समिति का गठन किया है। विश्वविद्यालय द्वारा डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव को अध्यक्षध्समन्वयक नियुक्त किया गया है। प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर, विज्ञान संकाय के प्रो. राजेश शर्मा, इंजीनियरिंग संकाय के प्रो. रजनीश भास्कर तथा अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अन्नू त्यागी को समिति का सदस्य बनाया गया है। इसके अतिरिक्त एलएलएम छात्र सत्र 2026दृ27 के अभिनव कीर्ति पाण्डेय को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समिति में शामिल किया गया है ।समिति विद्यार्थियों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके समाधान की प्रक्रिया को सुगम, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाएगी। कुलपति की इस संवेदनशील, विद्यार्थी–केंद्रित और उत्तरदायी पहल से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में विश्वास का वातावरण मजबूत हुआ है। छात्र शिकायत निवारण समिति के गठन से विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एक संस्थागत और प्रभावी मंच उपलब्ध होगा और छात्रों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाएगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने की एक सराहनीय और विद्यार्थी–केंद्रित पहल की है। मंगलवार एवं शनिवार को यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। संवाद का समय प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 9रू00 बजे से 10रू00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

स्वामी मुद्रक ,संपादक विजय प्रकाश मिश्र,प्रकाशक कुसुम देवी द्वारा नारायण आफसेट प्रेस14/511मुराद अली लेन नई बस्ती हुसेनगंज लखनऊ उ0प्र0 से छपवाकर राजा सिंगरामऊ कोठी ओलन्दगंज जौनपुर, उ0प्र0 से प्रकाशित । मो 7376885230 EMAIL: janvicharjnp@gmail.com RNI No. UPHIN/2009/27689